www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 40.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.700g

चांदी 106.000 kg

2 लाखों सपने साकार करेगी वंदे भारत, राष्ट्र का भी होगा विकास

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों की वापसी शुरू 06

वर्ष :17 | अंक :77 | प्रयागराज ,बुधवार , 18 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

भारत और फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास शक्ति 2025 का आयोजन, 90 कर्मियों वाली सेना की टुकड़ी रवाना

नयी दिल्ली। 90 कर्मियों वाली भारतीय सेना की एक टुकड़ी भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शक्ति' के 8वें संस्करण में भाग लेने के लिए फ्रांस के लिए रवाना हुई। रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर राइफल्स के साथ-साथ अन्य हथियारों और सेवाओं के सदस्य, 18 जून से 1 जुलाई तक फ्रांस के ला कैवेलरी के कैंप लारजैक में होने वाले अभ्यास में भाग लेंगे। इस बीच, 90 कर्मियों वाली फ्रांसीसी टुकड़ी का प्रतिनिधित्व 13वीं विदेशी लीजन हाफ-ब्रिगेड (13वीं डीबीएलई) द्वारा किया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश, 70 किमी/घंटा तक की रफ्तार से हवाएं चलने का रेड अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें हल्की से मध्यम बारिश और 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज हवाएँ चलने की संभावना जताई गई है। मंगलवार को दोपहर 12.45 बजे जारी किए गए अलर्ट में कहा गया है कि अगले दो घंटों में मौसम की गतिविधि होने की संभावना है - शाम 4-15 बजे तक, कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। कुल मिलाकर, कटऊ ने मंगलवार और बुधवार दोनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि शहर में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। गुरुवार से कोई रंग-कोडित अलर्ट जारी न किए जाने के बावजूद, इस क्षेत्र में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है, जिससे यह सप्ताह गीला रहेगा और लू नहीं चलेगी।दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में मंगलवार को बारिश हुई, जिससे लोगों को झुलसाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इससे पहले, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आज दिल्ली और किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने का अनुमान जताया था। आईएमडी ने मध्यम स्तर के आंधी-तूफान की चेतावनी देते हुए जनता के लिए सुरक्षा परामर्श भी जारी किए। मौसम विभाग के परामर्श के अनुसार, आकाशीय बिजली गिरने से खासतौर से खुले इलाकों में जान का खतरा हो सकता है। यातायात बाधित हो सकता है और विमान या ट्रेन सेवाओं में विलंब हो सकता है।पशुओं और घर से बाहर काम कर रहे लोगों को भी खतरे की आशंका है। इसमें यह भी कहा गया है कि लोगों को घरों के भीतर रहने और अनावश्यक रूप से यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है। करंट से बचने के लिए बिजली से चलने वाले उपकरण भी बंद रखने की सलाह दी गयी है। लोगों को पेड़ या धातु से बनी संरचनाओं के नीचे शरण लेने और बिजली गिरने के दौरान बाहर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के खिलाफ आगाह किया गया है।

एक दिन में एअर इंडिया की 7 इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल

अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट शामिल; सैन फ्रांसिस्को-मुंबई के पैसेंजर कोलकाता में उतारे गए

फ्लाइट्स कैंसिल

टाटा समूह के स्वामित्व वाली इस एयरलाइन ने रिपोर्ट दाखिल होने तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। यह घटना 12 जून को अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान के उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त होने के कुछ दिनों बाद हुई, जिसमें विमान में सवार और जमीन पर मौजूद 270 से अधिक लोग मारे गए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कोलकाता , एअर इंडिया की 7 इंटरनेशनल फ्लाइट मंगलवार को रद्द कर दी गईं। इनमें अहमदाबाद-लंदन, दिल्ली-पेरिस, दिल्ली-वियना, लंदन-अमृतसर, दिल्ली-दुबई, बेंगलुरु-लंदन फ्लाइट शामिल हैं। इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही फ्लाइट के पैसेंजर्स को कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारा गया। अहमदाबाद में 12 जून को अक-171 फ्लाइट क्रैश हुई थी। इसकी जगह अहमदाबाद से लंदन के लिए नई फ्लाइट अक-159 शुरू की गई है। यह फ्लाइट मंगलवार को लगातार दूसरी बार रद्द की गई।फ्लाइट को दोपहर 1.10 बजे उड़ान भरना था,

कोलकाता में उतारे गए पैसेंजर्स

सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में सोमवार रात को तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते यात्रियों को मंगलवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पर प्लेन से उतारना पड़ा।

लेकिन टेकऑफ से कुछ घंटे पहले तकनीकी खामी की बात कही गई। 16 जून को भी यह फ्लाइट रद्द की गई थी।दिल्ली से पेरिस जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट अक142 भी टेक्निकल परेशानी के बाद रद्द की गई, जो उड़ान से पहले जांच के दौरान सामने आई। इसके अलावा लंदन से अमृतसर आ रही फ्लाइट को भी तकनीकी दिक्कतों के चलते रद्द किया गया। उधर, सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट अक-180 में सोमवार रात को तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते यात्रियों को मंगलवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पर प्लेन से उतारना पड़ा।

फ्लाइट नंबर अक 180 कोलकाता होते हुए मुंबई जा रही थी। बोइंग 777-200 (वर्ल्डलाइनर) विमान 17 जून को रात 12:45 बजे समय पर कोलकाता पहुंचा था। इसे मुंबई के लिए रात 2:00 बजे रवाना होना था।विमान के बाएं इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण टेकऑफ में देरी हुई।इसके बाद सुबह करीब 5:20 बजे कैप्टन ने यात्रियों से कहा गया कि वे प्लेन से नीचे उतर जाएं। उन्होंने बताया कि यह फैसला फ्लाइट सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

इंडिगो विमान में बम की सूचना

मंगलवार को मस्कट (ओमान) से कोच्चि होते हुए दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद नागपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। एयरलाइंस को सूचना मिली थी कि विमान में बम रखा गया है।

ईरान का इजराइल के मोसाद हेडक्वार्टर पर हमला

मिलिट्री इंटेलिजेंस की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया; इजराइल ने ईरानी सेना के डिप्टी कमांडर को मारा

ईरान बोला- मोसाद पर नई मिसाइल दागी, इसका पता लगाना मुश्किल

ईरान के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसने इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमले के लिए एक नई मिसाइल का इस्तेमाल किया है। कोई भी डिफेंस सिस्टम इसका पता नहीं लगा सकता है।

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव , इजराइल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। ईरान ने मंगलवार को तेल अवीव में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमला किया। इसके अलावा मिलिट्री इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया एजेंसी अटअठ की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है।इजराइली हवाई हमले में ईरान के डिप्टी कमांडर मेजर जनरल अली शादमानी की मौत हो गई है। शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के हेड थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था।उन्हें 13 जून को इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी। इजराइली हमलों में अब 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल रेजा तलाई-निक ने कहा कि आज के हमले में हमने ऐसी मिसाइलें तैनात कीं जिन्हें ट्रैक या इंटरसेप्ट नहीं किया जा सका। इसलिए यह इजराइल के कई लेयर वाले डिफेंस सिस्टम को भेदने में सफल रही।

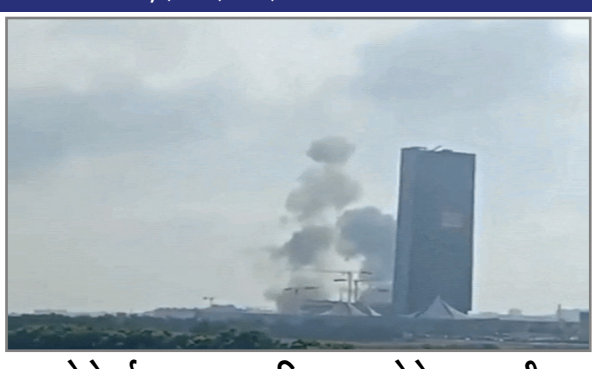

ट्रम्प बोले- ईरान परमाणु हथियार बनाने के बहुत करीब था

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने ही देश की खुफिया एजेंसी के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें बताया गया था कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा है।दरअसल, मार्च में ट्रम्प की इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड ने कहा था कि अमेरिकी खुफिया विभाग के आकलन से पता चला है कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा है। ट्रम्प ने गबार्ड की बातों को नकारते हुए कहा, 'मुझे फर्क नहीं पड़ता है कि किसने क्या कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक उच्च न्यायालय को जमकर लताड़ा

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को राज्य में फिल्म ठग लाइफ की रिलीज के बारे में अवगत कराने के लिए एक दिन का समय दिया, कहा कि कानून का शासन स्थापित होना चाहिए।

कहा- माफी मंगवाने का काम आपका नहीं

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भीड़ को सड़कों पर कब्जा करने की इजाजत नहीं दी जा सकती, फिल्म ठग लाइफ कर्नाटक में रिलीज होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक में ठग लाइफ की रिलीज के संबंध में कहा कि कानून कहता है कि सीबीएफसी ने जिस फिल्म को मंजूरी दे दी है, उसे प्रत्येक राज्य में रिलीज करना होगा। लोगों को भयभीत करने तथा सिनेमाघरों को जलाने की धमकी की अनुमति नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कर्नाटक उच्च न्यायालय को कमल हासन के बयान को लेकर उनसे माफी मांगने को नहीं कहना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को राज्य में फिल्म ठग लाइफ की रिलीज के बारे में अवगत कराने के लिए एक दिन का समय दिया, कहा कि कानून का शासन स्थापित होना चाहिए। अगर अभिनेता कमल हासन ने कुछ कहा है तो लोगों पर उस पर बहस करने दीजिए लेकिन फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने से नहीं रोका जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के निमार्ता द्वारा दायर याचिका को कर्नाटक उच्च न्यायालय से अपने पास स्थानांतरित कर लिया और राज्य सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा।

बिहार-झारखंड पहुंचा मानसून, 19 राज्यों में बारिश

यूपी समेत 4 राज्यों में बिजली गिरने से 19 की मौत; दिल्ली में खराब मौसम से 12 फ्लाइट डायवर्ट

मौसम विभाग का अनुमान है, अगले दो दिन में मानसून गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़ के शेष हिस्सों में आगे बढ़ने के साथ ही यूपी-राजस्थान में दस्तक दे सकता है।

एजेंसी

मुंबई, दक्षिण पश्चिम मानसून मंगलवार को बिहार-झारखंड पहुंच गया है। चार जिलों औरंगाबाद, किशनगंज, कटिहार और बांका में सुबह तेज बारिश हुई। सोमवार को मानसून ने गुजरात-मध्य प्रदेश में एंट्री की थी। महाराष्ट्र के विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ इलाकों में भी मानसून आगे बढ़ा है।

मध्य प्रदेश , यूपी, राजस्थान और बिहार में बिजली गिरने से सोमवार को 19 लोगों की मौत हो गई। आज गुजरात और सौराष्ट्र में भारी बारिश का रेड, जबकि मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 17 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट है।इधर, दिल्ली में मानसून से पहले की बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई इलाकों में पानी भर गया। खराब मौसम की वजह से दोपहर 3 से 4 बजे के बीच 12 फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं।राजधानी में 35-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, जिससे कई जगह पेड़ उखड़कर गिर गए।इसे ट्रैफिक जाम हुआ। कई गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा।इधर राजस्थान में प्री-मानसून की बारिश जारी है।

यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी

सूरज कुमार पटेल ने किया टॉप

रिजल्ट की घोषणा लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में की गई, जहां यूपी के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और राज्य मंत्री रजनी तिवारी मौजूद रहे।

एजेंसी

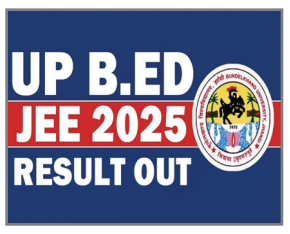

लखनऊ। बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी झांसी की तरफ से मंगलवार को उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 का रिजल्ट जारी कर दिया है। मिजार्पुर के सूरज कुमार पटेल ने साइंस स्ट्रीम से 362.66 अंक हासिल करके राज्यभर में पहला स्थान हासिल किया है।सभी अभ्यर्थी अपना स्कोरकार्ड बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जाकर रोल नंबर डालकर देख सकते हैं। काउंसिलिंग शेड्यूल शीघ्र जारी होगा।रिजल्ट घोषित होने के बाद अब बीएड संस्थानों में दाखिले के लिए काउंसिलिंग शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा।

दिल्ली में बारिश से सड़कों पर भरा पानी, कई इलाकों में ट्रैफिक जाम

बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर बनी जलभराव की स्थिति.

एजेंसी

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में झमाझम बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया है. लोगों को बारिश की वजह से बीते कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से राहत मिली है. लेकिन, इस झमाझम बारिश के बाद राजधानी के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिला, जिससे दिल्लीवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा है. वहीं, जलभराव की वजह से सड़कों पर जाम भी देखा गया. दक्षिण और

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर भारी जल भराव देखने को मिला. खासकर, धौला कुआं से एयरपोर्ट और गुरुग्राम की ओर जाने वाली एनएच-48 पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया. ट्रैफिक के चलते वाहन सड़क पर रेंगते हुए नजर आए. इस दौरान लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा. दिल्ली कैंट अंडरपास में भी भारी जलभराव दिखा, जहां पहले भी बारिश के समय पानी भरने की घटनाएं सामने आ चुकी है.ट्रैफिक की गति बेहद धीमी: दिल्ली के महिपालपुर और बसंत गांव जैसे इलाकों में भी भारी जलभराव देखा गया, जिससे एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा.

भाजपा का कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का मांगा इस्तीफा

भाजपा नेता ने कहा कि श्रेय लेने के लिए इस सरकार ने गड़बड़ी की और 11 लोग मारे गए, फिर भी सरकार ने अपनी गलती नहीं मानी। हम उन्हें सबक सिखाना चाहते हैं। सीएम और डिप्टी सीएम को इस्तीफा दे देना चाहिए और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा

एजेंसी

कर्नाटक भाजपा ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में हुई मौतों के लिए फ्रीडम पार्क में शोक सभा आयोजित की और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के इस्तीफे की मांग की। पुलिस ने फ्रीडम पार्क में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में हुई मौतों पर शोक सभा और विरोध प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। कर्नाटक विधान परिषद के नेता और भाजपा एमएलसी चालावाडी नारायणस्वामी ने कहा कि आरसीबी ने (आईपीएल) मैच जीता और लोग इसका आनंद ले रहे थे।

चुनौती भाजपा को दी बड़ी चुनौती

सिद्धारमैया ने बेंगलुरु भगदड़ विरोध को लेकर विपक्ष पर किया पलटवार

एजेंसी

नयी दिल्ली। जिस दिन भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया, उस दिन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तीखा पलटवार करते हुए भाजपा पर पक्षपातपूर्ण लाभ के लिए इस त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। सिद्धारमैया ने कड़े शब्दों में दिए गए बयान में भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान अपने ही पार्टी सदस्यों द्वारा दिए गए इस्तीफों की सूची पेश करें। सिद्धारमैया ने कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई दुखद भगदड़ की घटना के संबंध में, मैं राज्य के भाजपा नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे हमारे इस्तीफे की मांग करने से पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान इस्तीफा देने वाले भाजपा नेताओं की सूची जारी करें।चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास जो हुआ वह एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना है। एक जिम्मेदार सरकार के रूप में, हमने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। हमने बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और राज्य खुफिया विभाग के प्रमुख का तबादला कर दिया है। मेरे राजनीतिक सचिव को भी उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है।इसके अतिरिक्त, हमने मामले की गहन जांच करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है। सीएम ने कहा कि ऐसे निर्णायक कदम उठाने के बावजूद, राज्य में भाजपा नेता विरोध प्रदर्शन जारी रखते हैं।इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके इरादे लोगों के प्रति वास्तविक चिंता से प्रेरित होने के बजाय राजनीतिक हैं। त्रासदियों का राजनीतिकरण करना भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। मृत्यु, दुर्घटना या हिंसा की हर घटना पर गिद्ध की तरह झपटना उनके डीएनए में समाया हुआ है।यहां तक कि अगर उनके आंगन में एक हाथी भी मर जाता है, तो उन्हें अपने पड़ोसी की थाली में मक्खी पर ध्यान देने की आदत है। कर्नाटक के लोग व्यवहार के इस पैटर्न को समझ चुके हैं। हम हर त्रासदी से प्रभावित परिवारों के दुख और पीड़ा के साथ सहानुभूति रखते हैं।

यही कारण है कि हम राजनीतिक लाभ के लिए ऐसी घटनाओं का फायदा नहीं उठाते हैं।

सिद्धारमैया ने कड़े शब्दों में दिए गए बयान में भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान अपने ही पार्टी सदस्यों द्वारा दिए गए इस्तीफों की सूची पेश करें।

तेजस्वी का आरोप, मुख्यमंत्री का नियंत्रण नहीं, नीतीश सरकार में 50% मंत्री वंशवादी

आरजेडी नेता ने नीतीश कुमार द्वारा बढ़ावा दी जा रही पारिवारिक राजनीति को उजागर करने के लिए जमाई आयोग के गठन का आह्वान किया। तेजस्वी ने पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस द्वारा दिए गए नागरिक सम्मान के बारे में बात की।

एजेंसी

नयी दिल्ली।आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली बिहार सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एनडीए नेताओं के रिश्तेदारों को प्रमुख पद दे रही है। उन्होंने एनडीए नेताओं के रिश्तेदारों को खुश करने के लिए एक अलग जमाई आयोग के गठन का सुझाव दिया। हाल ही में तेजस्वी ने मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया था कि बिहार सरकार ने एनडीए नेताओं के दामादों को प्रमुख पद दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि नीतीश सरकार में 50% मंत्री वंशवादी हैं। आरजेडी नेता ने नीतीश कुमार द्वारा बढ़ावा दी जा रही पारिवारिक राजनीति को उजागर करने के लिए जमाई आयोग के गठन का आह्वान किया।

तेजस्वी ने पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस द्वारा दिए गए नागरिक सम्मान के बारे में बात की। उन्होंने कहा, वे भारत के प्रधानमंत्री हैं। शायद इसीलिए उन्हें यह सम्मान मिल रहा है। लेकिन देश की वास्तविक स्थिति के बारे में बात करें, यहां बेरोजगारी, गरीबी और बढ़ती कीमतें हैं।

सम्पादकीय

नरमी का हकदार नहीं होता शत्रु, दंडित करना जरूरी

ऐसा नहीं है कि जब-जब हमने एक सहज सामरिक बुद्धि से काम लिया तब-तब उसका लाभ न मिला हो पर हम पुराने अनुभवों से सीख नहीं लेते या उन्हें याद नहीं रखते। 1965 में पाकिस्तान ने घुसपैठिए भेजकर कश्मीर हथियाने का प्रयास किया। उसका मानना था कि हम कश्मीर में ही एक रक्षात्मक युद्ध लड़ेंगे पर जनरल हरबख्श सिंह सेना लेकर लाहौर तक जा पहुंचे। ईरान के विरुद्ध इजरायल की सैन्य कार्रवाई आपरेशन राइजिंग लायन ने आपरेशन सिंदूर का स्मरण करा दिया। भारत का आपरेशन स्थगित है, इजरायल का जारी है। भारत-पाकिस्तान के बीच सौ घंटे से भी कम चले सैन्य संघर्ष पर विराम की चर्चा भी जारी है। आपरेशन सिंदूर के तहत छह मई की रात अपने पहले वार में हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान में नौ बड़े आतंकी अड्डों समेत कई ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें दर्जनों जिहादी मारे गए। पाकिस्तान के अंधाधुंध, पर व्यर्थ कर दिए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों के जवाब में भारत ने उसके 11 वायुसैनिक अड्डे और लाहौर एवं स्यालकोट स्थित हवाई रक्षा प्रणाली बर्बाद की और उसके कई लड़ाकू विमान ध्वस्त किए। आपरेशन सिंदूर के तहत यह तय किया गया था कि हम केवल आतंकी ठिकानों पर निशाना साधेंगे और वह भी सावधानी एवं जिम्मेदारी से, बिना उसकी सेना को निशाना बनाए, ताकि बात न बढ़े। यह क्या बताता है हमारी मनःस्थिति के बारे में और इससे हम शत्रु को क्या संदेश देते हैं? क्या हम इस भ्रम में थे कि पाकिस्तान हमारी इस सदाशयता को समझेगा। क्या हम नहीं जानते थे कि हम अपना हाथ कितना भी रोकें, वह पलटवार करेगा ही? क्या हमने यह सोचा था कि अगर हम उसकी सेना को नहीं छेड़ेंगे तो वह भी हमारी सेना को निशाना नहीं बनाएगा? जब हमने बालाकोट पर चढ़ाई की थी तो पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली मुंह दिखाने लायक नहीं रही थी। इस बार शत्रु को पता था कि अब भारत के सामने उसकी सीमाओं के भीतर घुसने की कोई मजबूरी नहीं है। हमारी सेनाएं सैकड़ों किमी दूर से ही दृष्टि से परे ठिकानों को निशाना बनाने में समर्थ हैं। हमें भी पता था कि पाकिस्तान के पास ऐसी क्षमता आ गई है कि वह हमारे लिए चुनौती बन सकती है। युद्ध का सर्वसम्मत नियम है-सबसे पहले शत्रु की प्रतिरक्षा और जवाबी हमले की प्रणाली कुंद करना। इजरायल ने यही किया और उसने पहले ही वार में ईरान के कई जनरल ढेर कर दिए, लेकिन शायद हमने इस सर्वमान्य नियम पर अमल करना आवश्यक नहीं समझा। जब 1947 में पाकिस्तानी सेना कबाइलियों के रूप में कश्मीर पर चढ़ दौड़ी थी तो नेहरू जी ने उस हमले को तूल न देने और जिम्मेदार दिखने की चाहत में सेना के हाथ बांध दिए थे। सीमा पार उन जगहों पर सेना को कोई कार्रवाई नहीं करने दी गई

आज का विचार

राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपका उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रह सकते हैं. व्यापार-व्यवसाय में नुकसान का सामना करना पड़ सकता है. विरोधी वर्ग सक्रिय होंगे. परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं. पत्नी से वाद विवाद हो सकता है

वृषभ राशि: आज आप अपने स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे. किसी विशेष बात को लेकर आप आज मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं. व्यापार-व्यवसाय में कोई नया कार्य आज शुरू न करें. व्यापार में कोई बड़ा जोखिम न उठाएं. परिवार में पत्नी से मतभेद हो सकते हैं. भाई भतीजे से किसी बात को लेकर विवाद बन सकता है.

मिथुन राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा. कोई रुका हुआ पुराना काम आज पूरा होगा. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ेगा. व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. कोई नया कार्य आज आप शुरू कर सकते हैं. परिवार में मांगलिक कार्य का योग बनेगा. आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं.

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा. किसी धार्मिक यात्रा आदि पर जा सकते हैं. कोई व्यक्ति विशेष से मिलना होगा, जिससे आगामी समय में लाभ के योग बनेंगे. आप व्यापार-व्यवसाय में कोई नया काम शुरू कर सकते हैं. कोई बड़ी डील या पार्टनरशिप आज आपको मिल सकती है. परिवार में अपनों का सहयोग मिलेगा. मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी.

सिंह राशि : आज आप किसी पुराने मित्र से मिल सकते हैं, जिस कारण मन प्रसन्न रहेगा. स्वास्थ्य को लेकर परिवार में कुछ परेशानियां महसूस होंगी. व्यापार-व्यवसाय में सहयोगी लोगों से वाद विवाद हो सकता है, जिस कारण व्यापार में नुकसान के चांस है.

कन्या राशि : आज का दिन आपका अच्छा रहने वाला है. सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे. स्वास्थ्य में लाभ प्राप्त होगा. किसी अपने से मिलना होगा. परिवार में कोई सुख समाचार प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय में रुका हुआ कार्य पूर्ण हो सकता है.

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा. आप नौकरी आदि के लिए प्रयास कर रहे हैं, तो आज आपको सफलता मिलेगी. स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा संभलकर रहें. स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार में कोई सुखद समाचार प्राप्त होगा.

वृश्चिक राशि : आज आपका कहीं अपने परिवार के साथ बाहर जाना हो सकता है. परिवार के लोगों के साथ आज का समय अच्छा बीतेगा. आज कोई बड़े काम का ऑफर आपको मिल सकता है, जिस कारण घर में प्रसन्नता का माहौल रहेगा.

धनु राशि: आज आप कोई बड़ा काम शुरू न करें. नहीं तो हानि उठाना पड़ सकती है. विशेषकर कर्ज से बचें. स्वास्थ्य को लेकर कुछ समस्याएं उत्पन्न होंगी. पत्नी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. व्यापार में सहयोगी लोगों के साथ छोड़ने से धन हानि होगी. परिवार में कोई नया मेहमान आएगा.

मकर राशि : आज आप कोई नया वाहन खरीद सकते हैं साथ ही स्वास्थ्य में आज आपको लाभ महसूस होगा. व्यापार-व्यवसाय में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा. आपको कोई बड़ा काम कार्यक्षेत्र में आज मिल सकता है. नौकरी वर्ग वालों को पदोन्नति मिल सकती है.

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए शुभ सूचक होगा। परिवार में पुत्र आदि का जॉब लग सकती है. कोई सुखद समाचार आज आपको मिलेगा. स्वास्थ्य में कुछ नरमी रहेगी. परिवार में मांगलिक कार्य का योग बनेगा. साथ ही मित्र और परिवार के लोगों का आर्थिक सहयोग आज आपको मिल सकता है. कोई नया वाहन और भवन खरीद सकते हैं.

मीन राशि : आज आप ससुराल पक्ष से आर्थिक मदद प्राप्त कर सकते हैं. पत्नी से मतभेद दूर होंगे. साथी कोई नई खुशखबरी आपको मिल सकती है. परिवार में माहौल आपके पक्ष में रहेगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लाखों सपने साकार करेगी वंदे भारत, राष्ट्र का भी होगा विकास

कश्मीर की वादियों तक पहुंची रेललाइन केवल पटरियों का जोड़ नहीं है। यह असमान अवसरों को समान मंच पर लाने की एक मौन क्रांति है। यह उस अंतसंबंध को भी पुनर्स्थापित करती है जिसमें भारत का हर कोना एक-दूसरे से भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ा हुआ है। वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के साथ ही जैसे घाटी की खिड़कियां खुल गई हैं।

पा गरिमा गुप्ता और दुष्यंत कुमार राय।

पहलगाम में भारत की सामूहिक चेतना पर एक गहरे, दर्दनाक आघात और उसकी पीड़ा के बीच पिछले दिनों जब कश्मीर घाटी में वंदे भारत एक्सप्रेस की सीटी गूंजी तो यह मात्र एक ट्रेन की उद्घोषणा नहीं थी। यह कश्मीर घाटी में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के प्रधानमंत्री मोदी के मंत्र का साक्षात रूप था। प्रधानमंत्री की ओर से कटड़ा से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाना बस एक रेलगाड़ी के संचालन के शुभारंभ का नहीं। यह उस वंचित और आहत भू-भाग के पुनः भारत की मुख्यधारा से जुड़ने का प्रतीक है, जिसकी घाटियां अनुच्छेद 370 हटने के पूर्व वर्षों तक न केवल भौगोलिक रूप से, बल्कि मानसिक रूप से भी देश के शेष भाग से कटी थीं। कश्मीर तक रेल पहुंचना केवल भौगोलिक नहीं, सांस्कृतिक, शैक्षिक और मानसिक दूरी को पाटने का राष्ट्रीय प्रयास है। दर्जनों सुरंगों और पुलों से गुजरती इस रेललाइन पर स्थित टी-49 सुरंग भारत की सबसे लंबी रेलवे सुरंग है, जो करीब 13 किमी लंबी है। चिनाब नदी पर बना रेल पुल तो विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह पुल मात्र

स्टील और कंक्रीट का ढांचा नहीं, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में भारतीय रेल की अद्वितीय उपलब्धि है। यह बदलते भारत की संकल्पशक्ति और सामर्थ्य का परिचायक है। इसके माध्यम से अब प्रत्येक नागरिक तक पहुंच को लक्ष्य बनाया गया है, चाहे वह पर्वतीय भू-भाग में स्थित हो या दिल्ली से दूर किसी सीमांत गांव में। 2024 में भारत सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जम्मू- कश्मीर से साठ हजार से अधिक छात्र उच्च शिक्षा के लिए राज्य के बाहर गए। इनमें आधे से अधिक पंजाब और दिल्ली के आसपास गए। ये छात्र कई बार मौसमी अवरोधों और असुरक्षित सड़क मार्ग का सामना करते थे। पिछले कुछ वर्षों में मौसम की मार के कारण सड़क परिवहन प्रतिवर्ष औसतन महीने भर से अधिक बंद रहा। ये बंद राजमार्ग विद्यार्थियों की उपस्थिति, परीक्षा और समग्र शैक्षिक प्रवाह को बाधित करते हैं। यह देखा गया है कि सामाजिक असमानता की पहली रेखा स्कूल की चौखट पर खिंचती है। आवागमन की समस्या गंभीर हो तो, अभिभावक बच्चों को पढ़ने के लिए भेजने से कतराते हैं। लड़कियों का शिक्षा के लिए संघर्ष तो और कठिन हो जाता है। हरियाणा के नूंह जिले जैसे उदाहरण बताते हैं कि जहां स्कूल तक पहुंचना कठिन होता है, वहां महिला और पुरुष साक्षरता में अंतर बहुत बड़ा होता है। कश्मीर जैसे दुर्गम क्षेत्र में जहां जलवायु और सुरक्षा दोनों ही चुनौतीपूर्ण हैं, वहां सुगम, तीव्र और सुरक्षित रेल यात्रा की व्यवस्था पर्यटन, व्यापार और अन्य सुविधाओं के साथ शिक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना है। इसका प्रभाव यह होगा कि अब किसी छात्र-छात्रा को विश्वविद्यालय तक पहुंचने के लिए अवरोधों से नहीं जूझना होगा। यह रेल-सेवा महिला सशक्तीकरण की दृष्टि से भी क्रांतिकारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना शिक्षा को केवल ह्यकक्षाह्ल तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र तक विस्तार देती है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के विशेष प्रयास से जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई ज्ञानोदय एक्सप्रेस जैसी पहल में भागीदार बनीं जम्मू-कश्मीर की कई छात्राओं ने स्वीकार किया था कि वह उनकी पहली रेल यात्रा थी। वे रेलगाड़ी में सवार होकर बाहर निकलीं, नए शहरों, विश्वविद्यालयों, संग्रहालयों और पुस्तकालयों को देखा। यह एक प्रकार की बौद्धिक मुक्ति थी, जिसकी राह अब वंदे भारत जैसी रेल सेवाएं और सुगम कर रही हैं। छात्र-छात्राओं को भारत की विविधता से रूबरू कराना केवल सांस्कृतिक सजगता का निर्माण नहीं करता, बल्कि यह उन्हें नागरिकता के उस भाव से जोड़ता है, जिसमें वे अपने को न केवल कश्मीर की, बल्कि पूरे भारत की संतान समझते हैं। कश्मीर की वादियों तक पहुंची रेललाइन केवल पटरियों का जोड़ नहीं है। यह असमान अवसरों को समान मंच पर लाने की एक मौन क्रांति है। यह उस अंतसंबंध को भी पुनर्स्थापित करती है, जिसमें भारत का हर कोना एक-दूसरे से भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ा हुआ है। वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के साथ ही जैसे घाटी की खिड़कियां खुल गई हैं। बर्फ से ढकी पहाड़ियों के उस पार अब केवल बंकर नहीं, पुल हैं। अब संदेह को पीछे छोड़ती अनंत संभावनाएं हैं। भय नहीं भरोसा है। अब कश्मीर विकास की रोशनी है- और यही भारत की सबसे बड़ी रणनीतिक और नैतिक जीत है। यह रेल यात्रा घाटी को उसकी पुरानी निष्क्रियता से मुक्त कर एक गतिशील भविष्य की ओर ले जा रही है। यह हमारे समय का वह निर्णायक क्षण है, जहां शिक्षा, समानता, संचार और सुरक्षा एक साथ रेल की पटरियों पर दौड़ रहे हैं और उनके साथ संवर रहे हैं, लाखों सपने।

आधुनिकता से बिखरते परिवार, त्रासदी झेलते बच्चे और बुजुर्ग

संजीव ठाकुर

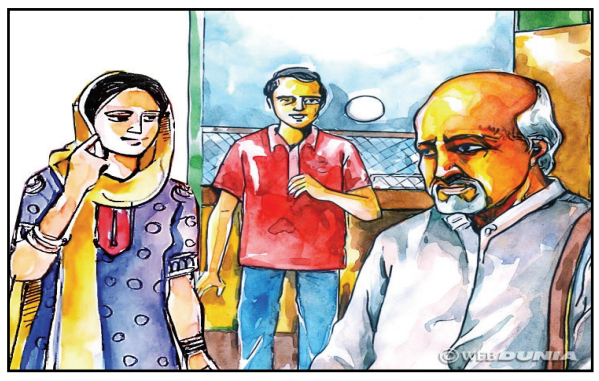

भारत मूलतः परंपरावादी वैदिक तथा सनातनी देश है पर आधुनिकता ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए हैं ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है इसी तरह बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की संवेदनहीनता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाति है।

भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका हैबुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका हैमहिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई हैबुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी दम पत्तियों पर होती है पर वर्तमान में बच्चे मां बाप से दूर होते जा रहे हैं और बुजुर्ग अपनी संतानों से मोबाइल ,व्हाट्सएप फेसबुक और इंटरनेट ने नौजवान पीढ़ी और बुजुर्गों के बीच एक बड़ा संवाद हीनता का संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा हैउल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार,समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैदेश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित हैकरोना की तीसरी लहर से भारतीय समाज में निवास कर रहे बुजुर्गों की बड़ी संख्या को हमें सुरक्षित और महफूज रखना है। वह वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं ,अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करेंइसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगीभारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निदेर्शों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी हैसैकड़ों लोग मौत के मुंह में समा चुके हैंहमें कोविड-19 के आतंक के साए को भी नहीं भूलना चाहिए हमे लगातार सावधानी रख कोविड-19 के प्रोटोकॉल का अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ संगठन की गाइडलाइंस के अनुसार अपना आचरण रखना होगा। अन्यथा कोविड-19 की तीसरी लहर फिर भारत के निवासियों को परेशान कर सकती है। भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर की शुरूआत बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक हो चुकी है। इसके लिए हमें अतिरिक्त सावधानी रखनी होगी। मैंने पहले भी कहा था कि करोना का केरल हॉटस्पॉट बन चुका है। अब दिल्ली, मुंबई चेन्नई अहमदाबाद तथा पूर्वोत्तर राज्य मैं भी कोविड-19 की तीसरी लहर के आंकड़े डरावने हो गए हैं। करोना का डेल्टा वैरीअंट यानी करोना की तीसरी लहर हर जगह फैलने लगी है

अब यह संक्रमण भारत के महानगरों में फैलने की आशंका को लेकर आया है

दिल्ली ,मुंबई कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई से कोविड-19 की तीसरी लहर अपना पैर पसार चुकी है। और यदि आपने अपने चेहरे पर मास्क नहीं लगाया, लगातार हाथ नहीं धोया, लोगों से 2 गज की दूरी नहीं रखी और भीड़ भाड़ में जाने से नहीं बचे, तो निश्चित तौर पर कोविड-19 का डेल्टा वैरीअंट को आने से कोई नहीं रोक सकता है । वैसे भी विश्व में इंडोनेशिय,मलेशिया,थाईलैंड, ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, अर्जेंटीना,अमेरिका मैं डेल्टा वैरीअंट के तेजी से हजारों प्रकरण बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका डेल्टा वैरीअंट के संक्रमण का भयानक प्रकोप झेल रहा है। भारत में भी पूर्वांचल प्रदेशों में मिजोरम,असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में तीसरी लहर के आसार स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। ब्रिटेन, अमेरिका, और फ्रांस जैसे उच्च शिक्षित देशों के नागरिकों ने लॉकडाउन हटते ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का उल्लंघन कर कोविड-19 की तीसरे संक्रमण की लहर को आमंत्रित कर लिया है। अमेरिका के स्वास्थ विभाग के वैज्ञानिक डॉ मूर्ति ने यहां तक कहा कि अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को तीसरी लहर के अल्फा बीटा गामा कप्पा और डेल्टा वैरीअंट से बचने के लिए इंजेक्शन का बूस्टर डोज लगाना पड़ेगा, तभी लोगों की जान बच पाएगी।

24 करोड़ आबादी वाला उत्तर प्रदेश अब तक करोना की लहर से लड़कर उसे दबाने में काफी हद तक सफल रहा है। खुलेआम पर्यटन स्थलों पर मौज मस्ती करने वाले अमीर लोग अपना इलाज तो आसानी से करवा लेंगे पर सबसे बड़ी मुसीबत गरीब तथा सर्वहारा वर्ग के लिए होगी जि ऐसे में यदि भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर पर्यटन स्थलों में घूमते हुए बेखौफ लोगों से भारत फिर फैलती है, तो आम जनता का जीवन यापन कठिन तथा दुष्कर हो जाएगा। और जिंदगी बचाने के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम होने की पूरी संभावना है। देश में कोरोना की प्रथम लहर के थोड़े से नियंत्रण में आने के बाद सरकारों और आला अधिकारियों को यह गलतफहमी हो गई थी,कि करोना पूरी तरह नियंत्रित हो गया है। और वापस लौटकर नहीं आएगा। इसीलिए उन्होंने बाजार, आम सभाएं, शादी समारोह, होटल, टॉकीज,बड़े बड़े मॉल को खोलने की तथा ग्राहकों को आमंत्रित करने की अनुमति दी थी। और नीति निमार्ता, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार तथा मंत्रालय में बैठे बड़े-बड़े आला अधिकारियों ने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि करोना की दूसरी लहर भी आएगी, और इसी के चलते उन्होंने न तो कोई दूरदर्शी नीति बनाई और ना ही इससे बचने के किसी उपाय पर विचार ही किया ।यह उनकी सबसे बड़ी गलती थी, तथा अदूरदर्शिता भी थी । लेकिन करोना कि दूसरी लहर ने संक्रमण की जो तबाही मचाई और लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया , अब कोविड-19 की तीसरी लहर भी इसी तरह के संक्रामकता लाने वाली है।

मर्दान वीरांगना थी झांसी वाली रानी

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

काशी में जन्मी, विठूर में पली बढ़ी, झांसी में रानी का पद प्राप्त करने वाली लक्ष्मी बाई का जीवन संघर्षों की कहानी हैं। सन- 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों से टक्कर लेने वाली और ग्वालियर में अंग्रेजों से ही युद्ध करते हुये प्राणोत्सर्ग करने वाली वीरांगना लक्ष्मी बाई का साहस और व्यक्तित्व उनके हर कार्य में छलकता था। सन- 1853 ई. में गंगाधर राव की मृत्यु हो जाने पर रानी को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।एक ओर सदाशिव राव भाऊ अपने को झांसी की गद्दी का असली उत्तराधिकारी होने का दावा कर रहे थे, तो दूसरी ओर पड़ोसी राज्य ओरछा की लड़ाई में सरकार झांसी राज्य हड़पने की योजना बना रही थी, ऊपर से अंग्रेजों की गिद्ध दृष्टि भी झाँसी पर लगी हुई थी। रानी लक्ष्मी बाई तीनों ओर से घिरी हुई थी। अंग्रेजों ने राजा रानी द्वारा गोद लिये - बालक दामोदर राव को उत्तराधिकारी स्वीकार नहीं किया। झाँसी की सेना अव्यवस्थित थी, युद्ध का सामान नहीं था। रानी के चारों ओर भयावह स्थिति थी। ऐसी विषम परिस्थितियों में लक्ष्मी बाई ने बड़े धैर्य और साहस से कार्य किया।उन्होंने अपने चारों ओर मंडराते हुये युद्ध के बादलों को छितराने के लिये युद्ध सामग्री को एकत्रित किया। पहली बार रानी लक्ष्मी बाई ने स्त्रियों को युद्ध की शिक्षा देकर उनका अलग से सैन्य दल बनाया। सेना सुव्यवस्थित होते ही रानी ने सदाशिवराव पर आक्रमण कर उसे पराजित किया। ओरछा राज्य के सेनापति को युद्ध के मैदान से भगाया। वह अंग्रेजों से जा मिला किंतु रानी ने इसकी चिंता नहीं की। अंग्रेजों की दृष्टि पहले से ही झाँसी पर लगी हुई थी। जब अंग्रेजों ने अपने मित्र राज्य ओरछा की सेना की पराजय सुनी तो वे चौकन्ने हो गये। यह ऐसा था जब देश में अंग्रेजों के विरोध में आग सुलग रही थी। बिठूर में नाना साहब पेशवा और तात्या टोपे अंग्रेजों से लोहा ले रहे थे अतः उद्देश्य एक था, अतः दोनों ही एक दूसरे की मुसीबत के समय सहायता को हमेशा तत्पर थे। रानी ने मर्दन सिंह को लिखे एक पत्र में लिखा था कि-₹ विदेशियों का शासन भारत वर्ष में नहीं होना चाहिये। मर्दन सिंह ने भी रानी के विचारानारूप उनका तब तक साथ दिया जब तक कि वे जेल के सीखंचों के बाहर रहे ।रोज की सेना के आगे मर्दनसिंह टिक नहीं सके। वे भागकर वसोदिया चले गये। रोज ने वहाँ भी आक्रमण कर दिया। मर्दनसिंह को यहाँ से भी भागना पड़ा। ह्यूरोज विद्रोहियों कोर्ट हराता हुआ सागर पहुँचा।

सागर से उसने झांसी के लिये कूच किया। रास्ते में उसने मर्दनसिंह और बखतवली को हराते हुये बानपुर पर भीषण आक्रमण किया। वहाँ से झाँसी की ओर बढ़ा। जनरल गेर के साथ ह्यूरोज अपनी सशस्त्र सेना के साथ झाँसी पहुँचा। झाँसी के किले को उसने चारो ओर से घेर लिया। ऐसी विषम स्थिति में रानी ने तात्या टोपे को सहायता के लिये पत्र लिखा। इस समय तक मर्दनसिंह और बखतबली भागकर कालपी गये थे। झाँसी की ओर प्रस्थान करने के लिये तात्या टोपे नाना साहब से अनुमति प्राप्त कर बाईस हजार सैनिकों के साथ झांसी की ओर बढ़े, किंतु वह कुछ समय के लिये चरखारी में उलझ गये। वहाँ से चलकर तात्या टोपे ने मऊ में मुकाम किया। यहाँ से उसने झांसी की स्थिति का पता लगाकर युद्ध की घोषणा की। किंतु यह सेना झांसी तक नहीं पहुँच पाई। हयुरोज की सेना ने तात्या टोपे की सेना को झांसी के बाहर ही हटा दिया। अंग्रेजी सेना ने झांसी के किले में बार बार आक्रमण कर झांसी पर कब्जा कर लिया।रानी को झांसी को छोड़ने पर बाध्य होना पड़ा। ह्युरोज को झांसी पर कब्जा करने के लिये वीरांगना लक्ष्मी बाई के साथ कठिन संघर्ष करना पड़ा था। उसने रानी की रणनीति, वीरता, युद्ध संचालन की बड़ी प्रशंसा की है। वहीं अंग्रेजों से अपने को बचाती हुई रानी कालपी पहुँच गई। कालपी में रहकर रानी ने पुनः सैन्य संगठन और युद्ध करने की योजना बनाई। हयुरोज भी मौन नहीं बैठा था। उसने एक भारी सेना कालपी पर अधिकार करने के लिये भेज दी।

राजकीय ममता विद्यालय कौडिहार में जनपदीय अथवा गैर जनपदीय मानसिक मंदित बच्चों का निःशुल्क प्रवेश माह जुलाई से आरम्भ

भारत संवाद

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के द्वारा शैक्षणिक सत्र- 2025-26 के लिए जगदीशपुर चॉधन, कौडिहार, जनपद प्रयागराज में संचालित राजकीय ममता विद्यालय में जनपदीय अथवा गैर जनपदीय मानसिक मंदित बच्चों का निःशुल्क प्रवेश आगामी माह जुलाई, 2025 से आरम्भ होगा। प्रवेश सम्बन्धी निर्धारित अर्हता के अन्तर्गत मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त मानसिक मंदित (माइल्ड एवं मॉडरेट श्रेणी) का दिव्यांगता प्रमाण पत्र, नव प्रवेशी की आयु 06 से 18 वर्ष के मध्य होनी चाहिए, अभिभावक का आय प्रमाण पत्र, बच्चें व उनके अभिभावक के आधार कार्ड एवं पासपोर्ट साइज के 03 फोटोग्राफ आवश्यक है। राजकीय ममता विद्यालय में विशेष अध्यापको द्वारा मनोविज्ञानिक पद्यति पर आधारित शिक्षा, 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए वोकेशनल ट्रेनिंग, स्मार्ट क्लास की सुविधा, खेलकूद, मनोरंजन एवं शैक्षणिक भ्रमण की सुविधा, सी0सी0टी0वी0 कैमरे से आच्छादित सुरक्षित परिसर, स्कूल ड्रेस, स्टेशनरी एवं पाठ्य सामग्री की सम्पूर्ण व्यवस्था एवं गुणवत्तायुक्त भोजन एवं शुद्ध पेयजल की, चिकित्सीय एवं स्वास्थ्य परीक्षण की उचित व्यवस्था एवं जनपदीय अथवा गैर जनपदीय बालको के लिए छात्रावास की निःशुल्क सुविधाओं की व्यवस्था है। इस सम्बंध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 9555707688, 9412183049, 9084956207, 7355544383 पर सम्पर्क किया जा सकता है। यह जानकारी प्रभारी अधीक्षक राजकीय ममता विद्यालय श्री दिनेश कुमार शर्मा ने दी है।

- प्रवेश सम्बंधी जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 9555707688, 9412183049, 9084956207, 7355544383 पर करें सम्पर्क

लोक सेवा आयोग पर अभ्यर्थियों का धरना

प्रयागराज में जीआईसी एलटी, प्रवक्ता, खंड शिक्षाधिकारी समेत अन्य पदों पर नौकरी निकालने की मांग

भारत संवाद

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाद आज मंगलवार को प्रयागराज स्थित उप्र लोक सेवा आयोग के बाहर अभ्यर्थी धरना प्रदर्शन करेंगे। जीआईसी एलटी, प्रवक्ता, खंड शिक्षा अधिकारी, राजकीय डिग्री कालेजों के रिक्त पदों पर तत्काल विज्ञापन जारी करने की मांगों के समर्थन में अभ्यर्थियों ने धरना दिया।। युवा मंच के अध्यक्ष अनिल सिंह की अगुवाई में पहुंचे अभ्यर्थियों ने अपनी बात रखी। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पिछले 8 वर्षों से कोई भी विज्ञापन जारी न होने पर युवा मंच प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह के नेतृत्व में अभ्यर्थी लोक सेवा आयोग पर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। यहां गेट पर प्रदर्शन भी किया। उप सचिव विनोद कुमार गौड़ को ज्ञापन सौंपा गया। वह प्रतियोगियों के बीच उपस्थित होकर राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के रिक्त पदों पर जल्द ही विज्ञापन जारी करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन स्तर पर लगातार मीटिंग चल रही है। आरक्षण विसंगतियों को लेकर पत्र भेजा जा चुका है जैसे ही स्पष्टीकरण आता है तत्काल विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा। वहीं प्रवक्ता, खंड शिक्षा अधिकारी, राजकीय डिग्री कालेजों में रिक्त पदों के भरे जाने को लेकर तकनीकी समस्या के निस्तारण की बात कही और नियमावली में बदलाव के बाद विज्ञापन देने की बात कही । अंतिम उत्तर कुंजी व परीक्षा में सामिल अभ्यर्थियों के प्राप्त अंकों को वेवसाइट पर जारी करने की बात पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि मामला न्यायालय में है हमारी सहानुभूति है यदि न्यायालय आदेश करता है तो जरूर अंतिम उत्तर कुंजी व प्रत्येक छात्रों के अंक जारी किए जाएंगे। अधिक उम्र सीमा पर करने वाले प्रतियोगी छात्रों ने विज्ञापन में देरी को लेकर 1992के नियम-3 के तहत कम से कम तीन वर्ष की उम्र सीमा में छूट का भी प्रस्ताव रखा जिसको लेकर शासन तक बात पहुंचाने व मंजूरी मिलने पर उम्र सीमा छूट की बात कही। इस अवसर पर प्रभाकर सिंह परिहार, बीएम भरद्वाज, अर्जुन प्रसाद, कपिल देव वर्मा, रवीन्द्र पांडेय, सुजीत मिश्र, सुरेंद्र कुमार, माया राम, सुचिता, प्रमोद, प्रदीप, मनोज आदि रहे। प्रतियोगी छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्य शीतला प्रसाद ओझा बताते हैं कि 8 वर्षों से विज्ञापन नहीं जारी हुआ है। इससे बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र ओवरएज होते जा रहे हैं। उनकी नौकरी पानी की उम्मीदें टूटी जा रही है। ऐसे अभ्यर्थियों को ध्यान में रखते हुए कम से कम तीन वर्ष की उम्र सीमा में छूट दिए जाने के साथ विज्ञापन जारी किया जाना चाहिए।

फास्ट ट्रैक

रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 155 वीं बैठक का आयोजन

रेलवे बोर्ड ने 25 कर्मियों को राजभाषा में उत्कृष्ट योगदान के लिए किया सम्मानित

भारत संवाद

रेल भवन में रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 155 वीं बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता सदस्य (परिचालन व व्यावसायिक विकास) श्री हितेंद्र मल्होत्रा ने की। उन्होंने बैठक में राजभाषा पत्रिका रेल राजभाषा के 141 वें अंक का विमोचन किया। साथ ही रेलबानी (भारतीय रेल क्षेत्रीय भाषाओं का मेल) पुस्तिका का भी विमोचन किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने रेलवे बोर्ड के राजभाषा निदेशालय द्वारा राजभाषा के प्रगामी प्रयोग हेतु किये जा रहे प्रयासों एवं कार्यक्रमों के प्रति संतुष्टि व्यक्त की और यह सुझाव दिया कि बैठक में हिंदी साहित्यकारों की कृतियों एवं हिंदी साहित्य में उनके योगदान संबंधी प्रस्तुतीकरण भी दिखाया जाए, जिससे सदस्यों को हिंदी साहित्य की जानकारी प्राप्त हो। इस अवसर पर सदस्य (वित्त) सुश्री उषा वेणुगोपाल ने समिति के सदस्यों को राजभाषा के बेहतर कार्यान्वयन हेतु कार्य करने का सुझाव दिया। सदस्य (कर्षण व चल स्टॉक) श्री बी एम अग्रवाल ने कहा कि राजभाषा का प्रयोग हमारा संवैधानिक दायित्व है। अतः सभी सदस्यों को राजभाषा के प्रयोग संबंधी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अनवरत प्रयास करते रहने की सलाह दी। महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को राजभाषा के प्रयोग-प्रसार की अनिवार्यता का उल्लेख किया। अपर सदस्य (मानव संसाधन) सुश्री वी जी भूमा ने अपने स्वागत भाषण से बैठक का शुभारंभ किया और कार्यपालक निदेशक, स्थापना (श्रम कानून) श्री सुधीर कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस बैठक में मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए रेलवे बोर्ड एवं अधीनस्थ उपक्रमों में राजभाषा निष्पादन की समीक्षा की गई। तत्पश्चात क्षेत्रीय रेलों में राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देनेवाले 25 कर्मियों को कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक एवं रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किया गया।

थाना जिगना पुलिस द्वारा 02 शातिर चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की 01 अदद मोटर साइकिल, 01 समर सेबल व 01 अदद पंखा बरामद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा वाहनों की चोरी एवं बिक्री की घटनाओं में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी/वाहनों की बरामदगी सहित प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः16.06.2025 को उप निरीक्षक राजेश कुमार पाण्डेय, जयजय राम व अवधेश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर सघन वाहन चेकिंग कर थाना जिगना क्षेत्रान्तर्गत मुराजपुर मंदिर के पास से 02 वाहन चोरों 1. संगम लाल बिन्द पुत्र जटाशंकर बिन्द निवासी ग्राम तिलई चौहान बबुरा थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर व 2. अरबिन्द कुमार बिन्द पुत्र परवेश कुमार बिन्द निवासी ग्राम गोसीपुर थाना जिगना जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया तथा मौके से चोरी की 01 अदद मोटरसाइकिलें (नम्बर वढ 61 अढ 6321), 01 अदद समरसेबल व 01 अदद पंखा बरामद की गयी तथा एक अदद 315 बोर अवैध तमंचा मय कारतूस बरामद किया गया ।एक अन्य मोटर साइकिल भी बरामद की गयी ।बरामद मोटर साइकिल को 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया ।

थाना हलिया पुलिस द्वारा कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा करने के अभियोग से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना हलिया जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 10.04.2025 को वादी भगवन्त पुत्र विश्राम निवासी रामपुर नौडीहा थाना हलिया जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।

फूलपुर के सामुदायिक केन्द्र में पर्यावरण सप्ताह का समापन समारोह समपन्न

भारत संवाद

इफको घियानगर फूलपुर के सामुदायिक केन्द्र में पर्यावरण सप्ताह का समापन समारोह समपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट जनों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ प्रारंभ हुआ। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया ने कहा कि आप सभी लोग रोजमर्रा के जीवन में प्लास्टिक का प्रयोग बिलकुल बंद कर दे ताकि हम अपने परिसर को प्लास्टिक मुक्त घोषित करे सकें। उन्होंने कहा कि एक समय जब देश में अनाज की कमी थी तब पैदावार बढ़ाने के लिए परंपरागत यूरिया के इस्तेमाल पर जोर दिया गया, लेकिन आज के दौर में पर्यावरण संरक्षण एक नई चुनौती है नैनो उर्वरक पर्यावरण के अनुकूल है, क्योंकि छिड़काव उपरांत परंपरागत यूरिया का 30 प्रतिशत ही उपयोग हो पाता है, शेष जल तथा मिट्टी को प्रभावित करता है। जबकि नैनो उर्वरक का छिड़काव फसल के पत्तों में किया जाता है, जो अवशोषित होकर फसल को पोषण देता है। उन्होंने कहा कि हर परिवार में एक पेड़ लगाने की परंपरा शुरू की जाए, ताकि पर्यावरण की रक्षा की जा सके और प्रदूषण में कमी लाई जा सके। वरिष्ठ प्रबंधक ई.पी.सी. उमेश कुमार ने कहा कि यदि हम इसी रफ्तार से प्लास्टिक का प्रयोग करेंगे तो इसका भयावह परीणाम होगा। 2050 तक समुद्री कचरा की मात्रा समुद्री जीवों से अधिक होगी। कई शोध में पता चला है कि आज मानव शरीर में दो एटीम के बराबर प्लास्टिक किसी भी रूप में हमारे शरीर में है जो विभिन्न बीमारियों का कारण बन रहा है। उन्होंने कि प्लास्टिक के बजाय जूट व कपड़े के थैले का प्रयोग करें। इस अवसर पर बच्चों द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक लघु नाटिका का मंचन किया गया, जिसमें नैनो उर्वरकों के पर्यावरण मित्र उपयोग को दशार्या गया। नाटक में स्थानीय बच्चों ने अपनी अभिनय कला का प्रदर्शन किया, जिससे उपस्थित दर्शकों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व की गहरी समझ मिली।। नैनो उर्वरक के सकारात्मक परिणाम पर स्थानीय 5 किसानों ने अपने अनुभव साझा किया तथा उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डी.के.शुक्ल ने किया व धन्यवाद ज्ञापन मनोज तिवारी दे दिया। इस दौरान कार्यकारी निदेशक (तकनीकी) संजय वैश्य, वरिष्ठ महाप्रबंधक ए.पी. राजेन्द्रन, महाप्रबंधक संजय भंडारी, संयुक्त महाप्रबंधक ए.के.गुप्ता, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, टाइम्स ऑफ इंडिया से गोपाल श्रीवास्तव, अमीत श्रीवास्तव, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधक दुर्गेश पाण्डेय एवं इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के महामंत्री स्वयम्प्रकाश तथा बड़ी संख्या में इफको कर्मचारी, महिलाएं व बच्चे उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभाओं में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की तैयारी

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) का 17, 19, व 25 जून, 2025 को एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा

- वोटर लिस्ट में जुड़ेगा हर एक पात्र नागरिक का नाम–मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा
- त्रुटिरहित मतदाता सूची बनाने के लिए दिया जा रहा प्रशिक्षण
- मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ईआरओ को उनके दायित्व एवं कर्तव्यों के संबंध में कराया बोध
- प्रथम बैच में 124 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों का प्रशिक्षण कराया गया

भारत संवाद

लखनऊ : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूची) की गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से प्रदेश की 403 विधानसभाओं के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) का 17, 19, व 25 जून, 2025 को उ0प्र0 प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (उपाम), अलीगंज लखनऊ में तीन चरणवार एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण के सत्र का प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ किया। प्रथम चरण में प्रतिभाग करने वाले 124 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को संबोधित किया। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने मतदाता सूची से जुड़े हुए मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में हर पात्र नागरिक का नाम दर्ज हो ये हम सब की जिम्मेदारी है। हमारे प्रदेश की मतदाता सूची में त्रुटियां न रहें, इसके लिए आज निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने मतदाता सूची के विधिक पहलुओं तथा रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं बी0एल0ओ0 के दायित्व एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज आप यहां से अच्छे ढंग से प्रशिक्षण लेकर जायेंगे तो आप अपने नीचे स्तर पर बीएलओं और सुपरवाइजरों को छोटे-छोटे समूहों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित कर पायेंगे। जिन बूथों में जेण्डर रेशियों कम है उनका चिन्हांकरन करते हुए एक कार्ययोजना के अन्तर्गत छोटे-छोटे समूहों में संबंधित बी0एल0ओ0 को उस पर कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया जाए तथा उसका निरन्तर अनुश्रवण किया जाए। 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं के नाम शामिल किए जाने के बारे में संभावित मतदाताओं का चिन्हांकन बी0एल0ओ के माध्यम से करा लिया जाए तथा उनके नाम शामिल किए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जाए।

उ0प्र0लोक सेवा आयोग को ज्ञापन सौंपकर विज्ञापन व उत्तर कुंजी की मांग-अनिल सिंह

आयोग के उप सचिव ने आयोग के बाहर आकर दी स्पष्ट जानकारी

भारत संवाद

प्रयागराज 17/06/2025 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पिछले 8 वर्षों से कोई भी विज्ञापन जारी न होने पर युवा मंच प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों अभ्यर्थियों ने लोक सेवा आयोग के उप सचिव विनोद कुमार गौड़ को ज्ञापन सौंपकर सभी विन्दुओं पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा जिस पर उप सचिव के द्वारा प्रतियोगियों के बीच उपस्थित होकर राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के रिक्त पदों पर जल्द ही विज्ञापन जारी करने की बात कही उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन स्तर पर लगातार मीटिंग चल रही है आरक्षण विसंगतियों को लेकर पत्र भेजा जा चुका है जैसे ही स्पष्टीकरण आता है तत्काल विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा वहीं प्रवक्ता, खण्ड शिक्षा अधिकारी, राजकीय डिग्री कालेजों में रिक्त पदों के भरे जाने को लेकर तकनीकी समस्या के निस्तारण की बात कही और नियमावली में बदलाव के बाद विज्ञापन देने की बात कही । अंतिम उत्तर कुंजी व परीक्षा में सामिल अभ्यर्थियों के प्राप्त अंकों को वेवसाइट पर जारी करने की बात पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि मामला न्यायालय में है हमारी सहानुभूति है यदि न्यायालय आदेश करता है तो जरूर अंतिम उत्तर कुंजी व प्रत्येक छात्रों के अंक जारी किए जाएंगे अधिक उम्र सीमा पर करने वाले प्रतियोगी छात्रों ने विज्ञापन में देरी को लेकर 1992के नियम-3 के तहत कम से कम तीन वर्ष की उम्र सीमा में छूट का भी प्रस्ताव रखा जिसको लेकर शासन तक बात पहुंचाने व मंजूरी मिलने पर उम्र सीमा छूट की बात कही इस अवसर पर प्रभाकर सिंह परिहार, बी०एम० भरद्वाज, अर्जुन प्रसाद, कपिल देव वर्मा, रवीन्द्र पाण्डेय, सुजीत मिश्र, सुरेन्द्र कुमार, माया राम, सुचिता, प्रमोद, प्रदीप, मनोज सहित सैकड़ों अभ्यर्थी मौजूद रहे।

प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 28वीं बोर्ड बैठक संपन्न

भारत संवाद

मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में मंगलवार को आयुक्त कार्यालय स्थित त्रिवेणी सभागार में प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 28वीं बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत चल रही प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में मंडलायुक्त ने कहा कि स्मार्ट सिटी योजना के तहत जो कार्य अभी पूर्ण होने से शेष रह गए हैं उन्हें दिसम्बर 2025 तक अवश्य पूर्ण कर लिए जाएं और स्मार्ट सिटी के तहत जो भी प्रोजेक्ट हुए हैं उन्हें सस्टेनेबल रखने के लिए इन प्रोजेक्टों को रेवन्यू जेनेरेटिंग बनाने के लिए आवश्यक प्रबंध करने के लिए कहा है उन्होंने बाइसिकल शेरिंग सिस्टम के तहत चलायी जा रही बाइसिकल को मरम्मत कराकर अच्छी स्थिति में क्रियाशील रखने के लिए कहा है उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आज ही रैंडमली 50 बाइसिकल को चलाकर उनकी राइड क्वालिटी की जांच करने एवं उनकी क्रियाशीलता की रिपोर्ट देने के लिए कहा है उन्होंने बस शेल्टर की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए निमार्णाधीन बस शेल्टर को शीघ्र बना कर हैंडओवर करने एवं वहां पर लोगों के अतिक्रमण को रोकने ,साफ-सफाई की व्यवस्था करने के लिए कहा है

बैठक में निम्नलिखित परियोजनाओं पर चर्चा की गई:

सांस्कृतिक परिसर

यह परियोजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के पास 64.09 करोड़ की लागत से निमार्णाधीन है। इस परिसर में 1500 दर्शकों की क्षमता वाला आधुनिक ऑडिटोरियम, 2 कन्वेंशन हॉल तथा पर्याप्त पार्किंग की सुविधा उपलब्ध होगी। भारत सरकार द्वारा इस परियोजना की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2025 निर्धारित की गई है।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

यह कॉम्प्लेक्स मेयो हॉल के समीप 25.75 करोड़ की लागत से निर्मित किया जा रहा है। इसमें सभी प्रकार के इनडोर खेलों की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस परियोजना को भी 31 दिसंबर, 2025 तक पूर्ण करना है।

डिजिटल लाइब्रेरी

यह परियोजना DIET कैंपस, हनुमान मंदिर के पास 7.36 करोड़ की लागत से बन रही है। पुस्तकालय में 300 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी और यह 200 कंप्यूटर सिस्टम से सुसज्जित होगा। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक विशेष जोन, जिसमें पठन क्षेत्र और कैफेटेरिया शामिल है, की भी व्यवस्था की जा रही है।

एस्पिरेशनल टॉयलेट

यह परियोजना 350 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में पीपीपी मॉडल पर संगम क्षेत्र में प्रारंभ की गई थी। इसमें पुरुष एवं महिला दोनों के लिए 8-8 यूरिनल्स का प्रावधान किया गया है। बैठक में यह बताया गया कि वर्षा ऋतु के कारण फिलहाल इस परियोजना का कार्य स्थगित कर दिया गया है, जिसे सितंबर माह के बाद पुनः शुरू किया जाएगा। बैठक में यह सुनिश्चित किया गया

आयोजन पर्यावरण, संस्कृति व संस्कार संरक्षण का लिया गया महासंकल्प

34 दिवसीय श्रीराम कथा की पूणार्हुति पर भव्य आयोजन

भारत संवाद

- धरती केवल धरोहर नहीं, हमारी माता है
- श्रीराम कथा बनी संकल्पों की प्रेरणा
- श्रीराम कथा केवल कथा नहीं, चरित्र निर्माण की पाठशाला: स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के पावन परिसर में आयोजित 34 दिवसीय श्रीराम कथा की पूणार्हुति एक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय चेतना का अद्वितीय संगम है। इस अवसर पर देशभर से पधारे श्रद्धालुओं, संतों, पर्यावरणविदों और समाजसेवियों ने एक माह तक धर्म और भक्ति का संदेश दिया और श्रद्धालुओं ने इन दिव्य संदेशों व उद्बोधनों का रसास्वादन किया, वहीं प्रकृति, संस्कृति और संस्कारों की रक्षा हेतु दिव्य संकल्प भी लिए। अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में यह आयोजन और भी विशेष बन गया क्योंकि 17 जून को संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस भी मनाया गया, जिसकी इस वर्ष की थीम है भूमि का पुनरुद्धार करें, अवसरों के द्वार खोलें ह्व इस अवसर पर ह्यमाता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः मंत्र गुंजायमान हुआ, जिसने सबको धरती के प्रति अपने कर्तव्यों की याद दिलाई। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज की प्रेरणा से आयोजित इस श्रीराम कथा का उद्देश्य केवल आध्यात्मिक लाभ नहीं था, बल्कि इसके माध्यम से जनमानस में पर्यावरण के प्रति जागरूकता, जीवन में मूल्यों का समावेश और सेवा के भाव का विस्तार करना था। पूणार्हुति के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने पौधा रोपण का संकल्प लिया। कई परिवारों ने अपने जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ और विशेष दिनों को पौधारोपण और पर्यावरण सेवा से जोड़ने का संकल्प किया। परमार्थ निकेतन में आयोजित 34 दिवसीय श्रीराम कथा में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क विश्राम, शुद्ध सात्विक भोजन, चिकित्सा सुविधा और मौलिक आवश्यकताओं की व्यवस्था की गई। यह आयोजन सेवा और समर्पण की जीवंत मिसाल है। श्रद्धालुजन प्रतिदिन श्रीराम जय राम की प्रभात फेरी, गंगा स्नान, ध्यान व योग सत्र, दिव्य श्रीराम कथा श्रवण, पूज्य संतों का उद्बोधन और संध्याकालीन गंगा आरती में सहभाग कर एक दिव्य और संतुलित जीवनशैली की अनुभूति करते रहे। श्रीराम कथा जीवन निर्माण, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की शिक्षा देने वाला एक प्रेरणादायी मंच रहा। कथा में मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श, त्याग, नारी सम्मान, सेवा और करुणा के भाव ने सभी को भावविभोर कर दिया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी के सान्निध्य में यह आयोजन आध्यात्मिक ऊँचाइयों के साथ सेवा, शिक्षा, स्वच्छता, संस्कार और सतत विकास का संदेश सभी को प्राप्त हुआ। स्वामी जी ने कहा, आज धरती केवल दोहन का साधन बन गई है। हमें ह्यमाता भूमिः को केवल मंत्र नहीं, जीवन का व्यवहार बनाना होगा। जल, जंगल, जमीन इनका सम्मान ही जीवन का सम्मान है। यही श्रीराम जी का संदेश है, यही सनातन धर्म का मूल भी है। स्वामी जी ने कहा कि मरुस्थलीकरण रोकना अर्थात मानवता को बचाना है। मरुस्थलीकरण और सूखा आज न केवल पर्यावरणीय समस्या है, बल्कि यह आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट बन चुका है। ऐसे में यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि यदि हमने आज भूमि को पुनर्जीवित नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संकटग्रस्त हो जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का ऐतिहासिक कायाकल्प हुआ है : केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

भारत संवाद

मानेसर, हरियाणा: केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले दशकों तक रेलवे उपेक्षा का शिकार रहा, जहां मात्र 25-30 हजार करोड़ का वार्षिक निवेश होता था। लेकिन अब यह निवेश बढ़कर 2.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो रेलवे के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास को रफ्तार दे रहा है।

श्री वैष्णव ने कहा, ₹रेलवे में वर्षों से जमा हुई लेगेसी समस्याएं अब एक-एक कर समाप्त हो रही हैं। स्टेशन, ट्रेन, शौचालय, ट्रैक, सफाई, तकनीक–हर क्षेत्र में व्यापक सुधार किया गया है। यात्रियों को नई सुविधाएं दी जा रही हैं और इंडस्ट्री के साथ मिलकर एकीकृत विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

श्री वैष्णव ने हरियाणा के मानेसर में मारुति प्लांट में रेलवे साइडिंग सुविधा के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए प्रमुख घोषणाएं और उपलब्धियां गिनायी

100 नई मेन लाइन ईएमयू गाड़ियां

पैसेंजर गाड़ियों को अपग्रेड करने के लिए अब 16 और 20 कोच की मेन लाइन ईएमयू गाड़ियां बनाई जाएंगी। अब तक 8 या 12 कोच की टएटव बनती थीं। यह परियोजना तेलंगाना के काजीपेट में शुरू हो रही एक नई फैक्ट्री में क्रियान्वित की जाएगी। इससे शॉर्ट डिस्टेंस ट्रैवल को बड़ी राहत मिलेगी।

50 नई नमो भारत एसी पैसेंजर गाड़ियां

'नमो भारत' गाड़ियों को यात्रियों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। अब 50 नई अउ पैसेंजर ट्रेनें जोड़ी जाएंगी। इससे पहले अहमदाबाद-भुज और पटना-जयनगर के बीच दो गाड़ियां शुरू की गई थीं। कुल मिलाकर 150 नई पैसेंजर गाड़ियां सेवा में आएंगी।

1200 से अधिक नए जनरल कोच

बीते वर्ष में रेलवे ने यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए 1200 से अधिक जनरल कोच जोड़े हैं। यह अभियान पिछले 2.5 वर्षों से लगातार चलाया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना अब तक 1300 अमृत भारत स्टेशन का काम स्वीकृत किया गया है।

स्टेडियम का हो बेहतर रख-रखाव, न रहे कोई कमी

शूटिंग कोच की नियुक्ति हेतु की जाए आवश्यक कार्यवाही: जिलाधिकारी

भारत संवाद

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्पोर्ट्स विभाग की योजनाओं की बैठक आहूत की गयी।

श्री मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि एक माह के अन्दर जनपद के सभी जिम एवं स्वीमिंग पूल का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट स्टेडियम के सफल संचालन के लिए स्मार्ट सिटी वार्षिक रखरखाव अनुबंध का स्टीमेट तैयार कर एक सप्ताह में प्रस्तुत करें। उन्होने क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के अंदर तहसील स्तर पर खेल प्रोत्साहन समिति के खाते खोले जाएं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शूटिंग रेंज कोर्ट के लिए कोच की उपलब्धता हेतु आवश्यक कार्यवाही समय से पूरी कर ली जाए। विद्युत विभाग एंव स्मार्ट सिटी आपसी समन्वय कर 10 जुलाई तक विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित करते हुए मीटर रूम बनाना सुनिश्चित करें। उन्होने निर्देश दिए कि जिम में लगे स्पीकर एक सप्ताह में बदलवाना सुनिश्चित करें अन्यथा संबंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी, स्मार्ट सिटी के अधिकारियों से समन्वय कर स्टेडियम में कमियों को दूर कराना सुनिश्चित करें। टेनिस कोर्ट का स्टीमेट तैयार करते हेतु संबंधित से वार्ता करने के निर्देश दिए।

अतिक्रमण हटवाने के लिए नगरायुक्त को दिए प्रार्थना पत्र

जनसुनवाई में आयी कुल आठ शिकायतें

भारत संवाद

सहारनपुर। जनसुनवाई में आज आयी 8 शिकायतों में चार शिकायतें अतिक्रमण सम्बंधी रही, जिनके सम्बंध में नगरायुक्त शिपू गिरि ने प्रवर्तन दल प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई कराने के निर्देश दिए।

आज जनसुनवाई के दौरान वार्ड संख्या 06 वर्धमान कॉलोनी निवासी दानिश ने चम्मच कारखाने के पास एक व्यक्ति द्वारा सड़क पर चबूतरा बनाकर किये गए अतिक्रमण, वार्ड 37 गिल कॉलोनी निवासी अशोक गुप्ता ने गली नंबर एक से अतिक्रमण हटवाने, वार्ड 43 आनंद नगर निवासी सोनू ने नाले पर टायर-कवर रखकर किये गए अतिक्रमण तथा वार्ड संख्या 43 सराय हिसाबुद्दीन निवासी दिलशाद ने शाहनूर जी के बराबर में मुख्य मार्ग पर किये गए अतिक्रमण को हटवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिए। जिस पर नगरायुक्त ने प्रवर्तन दल प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई कराने के निर्देश दिए हैं।

इसके अलावा न्यू आवास विकास वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष राजेंद्र चैधरी व महासचिव सूरजमल ने नगरायुक्त को प्रार्थना पत्र देकर नया आवास विकास कॉलोनी, हरिमंदिर रोड की सीवर लाइन चैक होने तथा कुत्तों के बढ़ते आतंक की ओर ध्यान दिलाते हुए सीवर लाइन की सफाई कराने तथा कुत्तों को पकड़वाने की मांग की। इस पर नगरायुक्त ने सीवर सफाई करने वाली कार्यदायी संस्था को सीवर की सफाई कराने तथा कुत्तों के सम्बंध में निगम के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा को कार्रवाई के निर्देश दिए।

वार्ड संख्या 34 की तनूजा ने प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन में साफ-सफाई कराने तथा वार्ड संख्या 2 विशाल विहार निवासी विनित ने गृहकर-जलकर का बिल ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिन्हें नगरायुक्त ने सम्बंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए भेज दिया। जनसुनवाई के दौरान अपर नगरायुक्त पी के यादव व मृत्युंजय, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम, अधिशासी अभियंता जल वी बी सिंह, सीटीओ संगीता गुप्ता सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बंद मकान का ताला तोड़ लाखों की चोरी

भारत संवाद

सहारनपुर। बंद मकान की खिड़की तोड़कर बदमाशों ने कमरे रखें जेवरात व कीमती सामान चोरी कर लिया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई हैं।

बेहट कोतवाली क्षेत्र के गंदेवड पठानपुरा निवासी शेरखान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 15 जून को वह परिवार समेत शादी समारोह में गया था। घर के ताले लगे हुए थे। रविवार को रात्रि में किसी समय बदमाशों ने बंद मकान की खिड़की तोड़कर घर के अंदर घुसकर कमरों के ताले तोड़कर अलमारी में रखे लाखों रुपए के जेवरात, इन्वर्टर बेटरा, गैस सिलेंडर, पीतल व एल्युमीनियम के बर्तन व कीमती कपड़े चोरी कर लिए। पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में मुकदमा दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई हैं। कोतवाल सुबे सिंह का कहना हैं कि चोरी की तहरीर मिली हैं घटना कि जांच की जा रही हैं जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

फास्ट ट्रैक

पुलिस ने बच्चे को सकुशल बरामद किया

सहारनपुर(बेहट)। ननिहाल में आए मासूम के गुम हो जाने की सूचना उसके परिजनों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मिजार्पुर प्रभारी अजय कुमार ने बच्चे की बरामदगी को तीन टीम गठित कर बच्चे की तलाश को लगाई गई। पुलिस ने आस-पास के सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू किया आखिरकार पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद मात्र एक घंटे में चार वर्षीय अब्दुल्ला बड़ा कुंआ के पास सलीम के यहां खेलता हुआ सकुशल मिल गया। पुलिस ने परिजनों को बुलाकर बच्चा उनके सुपुर्द कर दिया। बच्चे के सकुशल मिलते ही परिजनों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। बच्चे के परिजनों के साथ-साथ कस्बे में पुलिस की भूरी-भूरी प्रशंसा हो रही हैं।

मंदिर व खड़े ट्रक में हुई चोरी

सहारनपुर।चोरों ने धार्मिक स्थल को निशाना बनाते हुए गल्ला फाड़कर नगदी चुरा ली। साथ ही सड़क पर खड़े ट्रक से दो बैटरी चुरा ली। मामले की तहरीर पुलिस को दे दी है।थाना तितरों क्षेत्रान्तगत गांव बालू में बेल वाले बाबा का मंदिर है। मंदिर में दान पात्र रखा था। रात के समय चोरों ने दान पत्र को फाड़कर उसमें रखी नगदी चुरा ली।पुजारी कही बाहर गए हुए थे। सुबह होने पर गांव के रोबिन सिंह जब अपने खेत पर पहुंचे तो उन्होंने मंदिर का दान पत्र फटा हुआ देखा। रोबिन सिंह ने मामले की तहरीर पुलिस को दे दी है। दूसरी घटना बालू में ही एक ट्रक खड़ा था। चोरों ने ट्रक से दो बैटरी चुरा ली। गांव बालू निवासी इरफान के द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया है कि वह ट्रक पर चालक का काम करता है। मौसम खराब होने के कारण वह ट्रक को बाहर नहीं लेकर गया था। रात के समय चोरों ने ट्रक में लगी बैटरी को चुरा लिया।ग्रामीणों का कहना है कि नशेड़ियों ने जीना मुहाल कर रखा है।खेतों में भी चोरियां होती रहती हैं।

सहारनपुर के लाल ने जिले नाम रोशन किया

सहारनपुर। सीनियर मिस्टर इंडिया बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप जीत कर सहारनपुर के लाल ने सहारनपुर का नाम रोशन किया। दिनाक 14-15 जून को गाजियाबाद स्थित लोहिया नगर में ऑर्गेनाईजर एडवांस बॉडीबिल्डिंग एसोशियशन के तत्वाधान में 75 किलोग्राम में सहारनपुर के सुहाले उर्फ.लाला पुत्र मौहम्मद सलीम, निवासी मौहल्ला खुमरान, पुरानी चुंगी प्रथम रनरअप रहे। जिनका विजयी रोड़ शो पुल खुमरान से उनके निवास स्थान तक निकला जिसमे कार में राष्ट्रीय ध्वज लिए सुहाले उर्फ.लाला के साथ उनके कोच नदीम सर रहे। मौहल्ले के साथियों ने ढ़ोल ताशों को बजा कर खुशी का इजहार किया। इस मौके पर सुहाले के कोच नदीम सर, राजा भाई, गुफरान, आसिफ अबूबकर, अन्स, सुहेल, जुनेद, उवेश उपस्थित रहे।

शातिर गौकश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना फतेहपुर पुलिस ने वाहन चैकिंग के दौरान एक शातिर गौतस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक तमंचा व बिना नम्बर प्लेट की मोटर साइकिल भी बरामद की है। एसएसपी के निर्देशन में चलाये जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत थाना फतेहपुर पुलिस ने सघन चैकिंग अभियान में ग्राम सबरीपुर से पहले नदी के किनारे पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चैकिंग के दौरान मुजफ्फराबाद ब्लॉक की तरफ से बिना नम्बर प्लेट की एक मोटरसाइकिल पर सवार 2 संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए जिनको पुलिस टीम द्वारा रुकने का ईशारा किया गया तो वह नही रुके और पुलिस टीम पर फायरिंग कर जंगल ग्राम मुजाहिदपुर की तरफ जाने वाली चकरोड़ की ओर भागने लगे पुलिस टीम द्वारा बदमाशों का पीछा किया गया कुछ दुरी पर जाकर मोटरसाइकिल अनियन्त्रित होकर फिसल गयी । बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर खेतों की तरफ भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम द्वारा की गयी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में 01 बदमाश के बायें पैर में गोली लगने से घायल अवस्था मे गिरफ्तार किया गया। घायल बदमाश की पहचान फरहान उर्फ छोटा रावजी पुत्र महमूद निवासी कुंडा खुर्द थाना गंगोह जनपद सहारनपुर के रुप मे हुई । एक अन्य बदमाश बागों का फायदा उठाकर फरार हो गया, फरार बदमाश की तलाश हेतु लगातार कांबिंग की जा रही है। घायल बदमाश को ईलाज हेतू अस्पताल मे भर्ती कराया गया है । गिरफ्तार/घायल अभियुक्त के कब्जे से 1 तमंचा 315 बोर, 2 जिंदा/1 खोखा कारतूस 315 बोर, व 1 मोटर साइकिल स्पलेन्डर प्लस बिना नम्बर प्लेट रंग काला बरामद हुयी ।

माँ विध्यवासिनी देवी के प्राचीन मंदिर पर दर्शनों के लिए श्रद्धांलुओं की उमड़ी भीड़

प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता चंडोस/ भारत संवाद

अलीगढ़। गभाना क्षेत्र के गांव कटरा स्थित विंध्यवासिनी देवी मंदिर में माघ मास के मंगलवार को पूजा-अर्चना को श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा। विंध्यवासिनी मंदिर पर उमड़ा भक्तों का सैलाबःकटरा गांव देवी मंदिर पर माघ व अषाण मास के हर मंगलवार को लगता है मेला, कई प्रदेशों से आते हैं भक्त अलीगढ़ के गभाना क्षेत्र के गांव कटरा स्थित विंध्यवासिनी देवी मंदिर में माघ मास के हर मंगलवार को पूजा-अर्चना को श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा। गभाना क्षेत्र के कटरा गांव स्थित विंध्यवासिनी देवी मंदिर पर साल में माघ व अषाण मास में पड़ने वाले प्रत्येक मंगलवार को मंदिर पर मेले का आयोजन होता है। मेले में आस-पास क्षेत्र के अलावा मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाण आदि प्रांतों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दरबार में आकर मत्था टेकने आते हैं।ऐसी मान्यता है कि यहां पर वे श्रद्धालु अवश्य आते हैं जो वैष्णो देवी, नगरकोट आदि तीर्थस्थलों को जाते हैं। माना जाता है कि यहां आने पर ही मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। इसी मान्यता को लेकर माघ मास के हर मंगलवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर आना शुरू हो गया।उन्होंने वहां पूजा-अर्चना के साथ अपने नवजात शिशुओं का मुंड़न संस्कार भी संपन्न कराया। मंदिर के बाहर लगे मेले मे खेलकूद-तमाशों के साथ खान-पान की दुकानें बड़े ही आकर्षक तरीके से सजी हुई थीं जिसका लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। डेढ़ सौ साल पुराना है इतिहासयह मंदिर करीब डेढ़ सौ साल पुराना बताया जाता है। माता विंध्यवासिनी देवी को बेलौन (नरौरा) वाली मईया की छोटी बहन के रूप में जाना जाता है। यहां स्थापित माता की शिला काफी प्राचीन है। बताते हैं कि एटा जिले के राजा महाराज डंडेश्वरनाथ को स्वपन्न में माता रानी ने दर्शन देकर मंदिर की स्थापना की प्रेरणा दी थी। इसके बाद उन्होंने इस मंदिर का निर्माण कराया। तभी से श्रद्धालुओं के लिए मंदिर आस्था का केंद्र बना हुआ है।

मजदूर की मौत पर ग्रामीणों में फूटा गुस्सा

सीमेंट फैक्ट्री व लाजिस्टिक कंपनी के ठेकेदार के खिलाफ कराई रिपोर्ट दर्ज

आकाश शर्मा, भारत संवाद

अलीगढ़ः हरदुआगंज रेलवे स्टेशन पर कलिंकर अनलोडिंग के दौरान मालगाड़ी का डाला गिरने से उसके नीचे दबकर मजदूर की मौत हो गई, मजदूर जसवीर चौहान पुत्र स्वर्गीय रामपाल सिंह 40 वर्ष निवासी साथा जे के सुपर व मंगलम सीमेंट कंपनी की अधिकृत लाजिस्टिक फर्म पी एन सी व विजन नेक्स्ट रोड लाजिस्टिक में हरदुआगंज रेलवे स्टेशन पर कलिंकर की मालगाड़ी से लोडिंग अनलोडिंग का काम करता था। रात करीब नौ बजे वह अपने साथियों के साथ कलिंकर की अनलोडिंग करने आया था की मालगाड़ी द्वारा आगे पीछे संटिंग करने के दौरान मालगाड़ी के डब्बे का डाला खुलकर जसवीर के ऊपर गिर पड़ा जिसमें उसके नीचे दबकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया साथी मजदूर उसे बामुश्किल निकाल कर छेरत के एक प्राइवेट नर्सिंग होम लेकर गए जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना रात में ही पुलिस को दे दी गई जिस पर थाना पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुबह को जैसे ही ग्रामीणों को पता चला आक्रोशित ग्रामीणों ने कलिंकरों के डंफरों को रोक दिया ग्रामीणों का कहना था कि मृतक बहुत ही गरीब परिवार का श्रमिक था लॉजिस्टिक कंपनी वास सीमेंट कंपनी के परिवार के लिए बतौर मुआवजा 40 लाख रुपए की आर्थिक मदद करे लेकिन लाजिस्टिक कंपनी के मलिक व ठेकेदार ने अपने मोबाइल नंबर बंद कर लिए एवं दोनों सीमेंट फैक्ट्री के अधिकारियों ने भी श्रमिक के परिवार को आर्थिक मदद करने से साफ इनकार कर दिया। सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे पोस्टमार्टम होने के बाद मृतक का शव भी गांव पहुंच गया जहां ग्रामीणों ने उसके शव को घटनास्थल पर रखकर अपना आक्रोश जताया। सूचना पर पुलिस बल के साथ-साथ एसडीएम कोल महिमा सिंह व सी ओ तृतीय सरवन कुमार भी मौके पर पहुंच गए जहां लोगों को समझने का प्रयास किया एवं कंपनी के प्रतिनिधियों से बात की जब किसी तरह की बात नहीं बनी तो मृतक जसवीर चौहान की पत्नी अंजली देवी ने कंपनी के मलिक व जिम्मेदार लोगों के खिलाफ थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई की उसके पति को कार्य करने से पूर्व सुरक्षा का भरोसा दिया गया था लेकिन कंपनी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को संज्ञान में नहीं लिया गया। मामले में उसने कंपनी के मालिक प्रवीन सरोगी, नरेंद्र कुमार पांडेय, रविंद्र सिंह चौहान, मुनेंद्र सिंह चौहान, योगेंद्र यादव, संजय यादव एवं अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जब मामले में एसडीएम कोल महिमा सिंह से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर दी गई है जो भी सरकारी मदद मिलेगी उसे पीड़ित परिवार को दिलाया जाएगा एवं कंपनी द्वारा भी जो वैधानिक सहायता मिलती है उसे भी दिलाने का प्रयास कराया जाएगा। मृतक के परिजनों व ग्रामीणों का कहना था कि एसडीएम ने पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद दिलाने का आश्वासन दिया है कम से कम पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपए की आर्थिक मदद अभी मौके पर ही दिला दी जाए वरना तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। शाम करीब पौने चार बजे ग्रामीण शव को मौके पर ही रखकर धरना पर बैठ गए।

दो दिवसीय जिला स्तरीय जलज परियोजना के तहत नाविक प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

भारत संवाद

मीरजापुर , भारतीय वन्य जीव संस्थान, पर्यावरण मंत्रालय के तत्वाधान में नमामि गंगे की जलज परियोजना के तहत आज दो दिवसीय जिला स्तरीय नाविक प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन जिला पंचायत सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस कार्यशाला में 2 दिन मीरजापुर के 8 ब्लाक से 125 नाविक को प्रशिक्षित किया गया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि जलज के नाविक गंगा प्रहरियों के क्षमता निर्माण की दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि जनपद के 125 युवा नाविक है उनको लेकर इस कार्यशाला का आयोजन किया गया हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि जलज को एक हमारा नया इनीशिएटिव है इसमें हमें गंगा को साकार करना है और जीवंत नदी बनाए रखने के लिए आस्था से जोड़ने के लिए कि लोगों को और नदी के बीच में समन्वय बनाना है उसको लेकर नाविकों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि उनके आय में वृद्धि, पर्यटन, पर्यावरण आजिविका का इन तीनों में कैसे समन्वय बनाया जाए जानकारी दी गई आगे भी डब्ल्यू आई की टीम नाविकों से जुड़ी रहेगी आज नाविका को रेस्क्यू का सामान भी वितरित किया गया है और आगे भी यदि किसी प्रकार का प्रशिक्षण नाविक लेना चाहेंगे तो उनको दी जाएगी। उन्होंने कहा कि रोजगार, बाजार के विभिन्न अवसर भी जलज के माध्यम से मुहैया कराया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को गंगा नदी में मिलने वाली जलीय जीवों के बारे में तथा संकट काल में उनको बचाने का भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिको द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। जलज सफारी के दौरान दुर्घटना से बचाव के लिए प्रतिभागियों को प्राथमिक उपचार तथा एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ के जवानों द्वारा आपदा प्रबन्धन के बारे में भी सिखाया गया।

धारदार हथियार से युवक पर जानलेवा हमला

भारत संवाद

सहारनपुर। डॉगी को बचाने पर धारदार हथियार से दुकानदार पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में दुकानदार का पेट फट गया। कमर पर भी गहरे जख्म हैं। परिजन घायल को अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। मामला थाना देहात कोतवाली का है।डॉगी को पत्थर मारने से रोका थाथाना देहात कोतवाली की कैलाश विहार कॉलोनी निवासी सुहैल मिर्जा की मोबाइल की दुकान है। मंगलवार को वह घर जा रहे थे। रास्ते में कुछ युवक डॉगी को पत्थर मार रहे थे। सुहैल ने उन्हें रोका और डॉगी को वहां से भगा दिया इसको लेकर आरोपी सुहैल से भिड़ गए। मामला हाथापाई तक पहुंच गया। मगर वहां मौजूद कुछ लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत करा दिया इसके बाद सुहैल घर चला गया। कुछ देर बाद पांच युवक घर में घुस आए। आरोपियों ने सुहैल पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में सुहैल का पेट फट गया। कमर पर भी गहरे जख्म हैं। शोर सुनकर परिजन पहुंचे आरोपी मौके से फरार हो गए परिजनों ने सुहैल को लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत को गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया घायल के भाई मिर्जा मसीहुल्लाह ने बताया कि मेरा भाई मोबाइल की दुकान चलाता है।

बहरामपुर में हुआ शिव मंदिर का भव्य शिलान्यास

अनोखा और ऐतिहासिक होगा भगवान शिव का मंदिर : स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज

भारत संवाद

अलीगढ। मां विटारा फाउंडेशन और ग्राम वासियों के सहयोग से सोमवार को शिव मंदिर का शिलान्यास बड़े धूम धाम से किया गया। वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख स्वामी श्री पूणार्नंदपुरी जी महाराज के तत्वावधान में आचार्य गौरव शास्त्री,रवि शास्त्री सहित अन्य आचार्यों ने वैदिक विधि विधान से सात पवित्र नदियों गंगा,यमुना,नर्मदा,गोदावरी,कृष्णा,सिंधु,कावेरी एवं वागमती आदि नदियों के स्त्रोतों से जल तथा इन जगहों की पवित्र मिट्टी के साथ पूजन अर्चन किया गया। मुख्य यजमान भूपेंद्र सिंह, राखी सिंह, दक्ष सिंह, दिव्यांशी सिंह, इंजीनियर और आर्किटेक श्री एस बी शर्मा जी और श्री अरुण कुमार सिंह द्वारा भूमि,गंगा,गणेश,शिव आदि देवताओं की आराधना के साथ प्रातःकालीन पूजन अर्चन किया गया। इस दौरान मंदिर के प्रांगड़ में श्री राम परिवार की अदभुत प्रतिमा, राधा कृष्ण की प्रतिमा और मां दुर्गे की प्रतिमा भी स्थापित की गयीं। और इसके अलावा मंदिर के प्रांगड़ के पास ही गरीब लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शादी समारोह के लिए एक बारात घर भी बनाया जाएगा।स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज ने इस अवसर पर कहा कि ग्राम बहरामपुर में हो रहे विशाल मंदिर के शिलान्यास से आगामी कुछ वर्षों में यहाँ का समस्त कायाकल्प बदलेगा एक ओर जहां लोगों को रोजगार मिलेगा वहीं धार्मिक एवं आस्थावान भक्तों की आस्था का संगम भी बनेगा। इस परम्पवित्र कार्य में गांव के अधिक से अधिक ग्रामीण उपस्थित रहें।

सम्पन्न

शुक्रवार को एयरपोर्ट पर होगी मॉक ड्रिल

डीएम की अध्यक्षता में एयरपोर्ट इमरजेंसी एक्सरसाइज के लिए टेबल टॉप मीटिंग सम्पन्न

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में अलीगढ़ एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट इमरजेंसी एक्सरसाइज के सफल आयोजन के लिए टेबल टॉप मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता कर संभावित आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। डीएम ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एयरपोर्ट इमरजेंसी एक्सरसाइज को सफलतापूर्वक आयोजित करने और जनसुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए हर संभावित स्थिति के लिए प्रशासनिक तैयारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट एक संवेदनशील क्षेत्र है, जहां त्वरित और समन्वित कार्रवाई अत्यंत आवश्यक होती है। उन्होंने आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य, अग्निशमन, पुलिस, एयरपोर्ट अथॉरिटी, एनडीआरएफ एवं अन्य संबद्ध विभागों को आपसी तालमेल के साथ सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि शुक्रवार को एयरपोर्ट पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा।अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रमोद कुमार ने कहा कि किसी भी आपातकालीन स्थिति के समय जनहानि को न्यूनतम करने के लिए नजदीकी चिकित्सालयों में समुचित सुविधाओं युक्त एक-एक आपातकालीन वार्ड आरक्षित रखा जाए। इसके साथ ही एयरपोर्ट के आसपास स्थित निजी चिकित्सालयों को भी आपातकालीन स्थिति के समय उपयोग आने वाली चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए।

छात्र प्रणव गोयल ने बनाया इंटरनेशनल रिकॉर्ड

भारत संवाद

सहारनपुर। ब्रेन पावर जोन के 4.5 वर्षीय छात्र प्रणव गोयल ने बनाया इंटरनेशनल रिकॉर्ड ब्रेन पावर जोन के प्रतिभाशाली छात्र प्रणव गोयल (आयु 4.5 वर्ष) ने असाधारण स्मृति और संख्याओं के प्रति अभूतपूर्व लगाव के चलते 10ह्य100 (गूगल) तक के बिग नंबर्स के नामों को याद कर इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकार्डस में अपना नाम दर्ज कराया है। यह रिकॉर्ड उन्होंने इन विशाल संख्याओं को बिलकुल रैंडम ऑर्डर में सुनाकर स्थापित किया। इस अद्वितीय उपलब्धि पर सहारनपुर के जिलाधिकारी ने स्वयं प्रणव गोयल को सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।ब्रेन पावर जोन के निदेशक अमित छाबड़ा ने इस अवसर पर बताया कि, हमारे छात्रों द्वारा इससे पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए जा चुके हैं। प्रणव की यह विशेष उपलब्धि चार मुख्य स्तंभों पर आधारित है।श्री छाबड़ा ने आगे कहा कि, ह्लहर बच्चे में कोई न कोई प्रतिभा छिपी होती है। जरूरत होती है उसे पहचानने और सही दिशा में निखारने की। प्रणव में संख्याओं के लिए एक अनोखा जुनून और जन्मजात स्मृति शक्ति है। उनके माता-पिता अंकुर गोयल बनाम श्रीमती शबनम गोयल जो की स्वयं भी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं , ने अपने बच्चे के साथ बैठकर घंटों अभ्यास करने में उसकी मदद की । उन्होंने पूर्ण समर्पण से बच्चे को सहयोग दिया है।ह्व हमें बेहद गर्व है कि हमारी संस्था के एक होनहार छात्र ने इतनी छोटी उम्र में यह अद्वितीय उपलब्धि हासिल की है। यह हमारे लिए प्रेरणा का स्त्रोत है और हम ऐसे ही बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत संवाद परिवार
1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित , 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर , (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद) , जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद) , माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एवं ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां

अपनी स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी स्किन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं।

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अगर आप इसे गलत तरीके से अपनी स्किन पर अप्लाई करती हैं, तो ये चेहरे को निखारने के बजाय और ज्यादा रूखा-सूखा और बेजान बना सकती है। जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना

हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना

यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोजाना लगाने वाली चीज नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी स्किन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मास्क को हफ्ते में 1 या 2 बार ही लगाएं।

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही लगाना

भले ही आप मुल्तानी मिट्टी का मास्क बना रही हैं, लेकिन उसमें सिर्फ पानी मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। यह आपकी स्किन पर थोड़ा हार्श हो सकता है। हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से कुछ इंग्रीडिएंट्स मिक्स करों। मसलन, अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप शहद, दूध या एलोवेरा मिक्स करें। ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल, नींबू का रस, चंदन पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में खीरे का रस या दही इस्तेमाल करें।

चुटकियों में दूर होगी करेले की कड़वाहट, सब्जी बनाने से पहले फॉलो करें ये आसान टिप्स

करेला खाना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। हालांकि, करेले का स्वाद काफी कड़वा होता है, जिससे कई लोग खाना पसंद नहीं करते हैं। आप कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर करेले की कड़वाहट को आसानी से कम कर सकते हैं। करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं, जिन्हें आप आसानी से फॉलो कर सकते हैं।

नमक लगाकर रखें

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप इसमें नमक को मिला सकते हैं। इसके लिए आप पहले करेले को काट लें और इसमें नमक को मिलाकर करीब आधे घंटे तक रख दें। इससे करेले से पानी निकलेगा और उसकी कड़वाहट आसानी से निकल जाएगी। अब आप इसको साफ पानी से धो लें। अब आप इसकी सब्जी बना सकते हैं।

सब्जी बनाने से पहले करेले को उबालें

करेले को काटने के बाद आप इसे उबाल सकते हैं। उबालने के लिए आप एक पैन में पानी लें और उसमें हल्का नमक डालकर करीब सात मिनट तक उबाल लें। इससे करेले की कड़वाहट कम होती है।

दही या छाछ का करें उपयोग

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप दही या छाछ का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप दही या छाछ में करेले को मिलाकर रख दें। इससे करेले का स्वाद भी बेहतर होता है। अब आप इससे भरवां करेला भी बना सकते हैं।

प्याज और मसालों से करें कड़वाहट कम

करेले की सब्जी बनाते समय प्याज, लहसुन, सौंफ, अमचूर या फिर नींबू के रस को डालकर भी आप इसकी कड़वाहट को कम कर सकते हैं। ये सामग्री इसकी स्वाद को बढ़ाती ही है और करेले की कड़वाहट भी कम करती है।

सब्जी बनाते समय निकालें बीज

पके करेले में कड़वाहट अधिक होती है। ऐसे में आप सबसे पहले करेले काटते समय आप बीज को निकाल लें। दरअसल, बीजों में कड़वाहट होती है और इसको निकालने से स्वाद भी बेहतर होता है।

दुल्हन के पैरों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 मेहंदी डिजाइंस, हर कोई कह उठेगा वाह

पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके।

हाथों के अलावा दुल्हन के पैरों की मेहंदी डिजाइन पर भी लोगों की निगाहें टिकी रहती हैं। पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके। ऐसे में हम आपको लिए पैरों में लगाई जाने वाली मेहंदी की कुछ बेहद खूबसूरत डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है, तो आप भी इन मेहंदी डिजाइन्स को पैरों पर लगवा सकती हैं।

मोर वाली मेहंदी डिजाइन

आप हाथों के साथ पैरों पर भी मोर डिजाइंस बना सकती हैं। अगर आपके पैर लंबे हैं, तो आप बड़े-बड़े मोर की डिजाइन बनानी चाहिए। वहीं अगर आपके पैर छोटे हैं, तो आप पतले और पंख फैलाए मोर की आकृति भी बना सकती हैं। मोर के अलावा आप पैरों में बगीचे का भी डिजाइन बना सकती हैं। इस डिजाइन में आप पेड़-पौधे, फूल, झरोखे और फाउंटेन आदि बना सकती हैं। इससे मेहंदी भी भरी नजर आएगी।

जाल मेहंदी डिजाइन

जाल मेहंदी डिजाइन लगाने में आसान होने के साथ काफी खूबसूरत भी लगती है। कम समय में इस डिजाइन से आपके पैर इतने भर जाएंगे कि आपको दूसरी डिजाइन के बारे में सोचना भी नहीं पड़ेगा। जाल मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। आप बॉर्डर, फूलों, ब्लॉक्स और बेल आदि की डिजाइन बना सकती हैं। वहीं जाल को भरने के लिए अलग तरह की डिजाइस के एलिमेंट्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आपने पंजे को जाल वाली डिजाइन से भर दिया है, तो आप ऊपर की ओर मेहराब, चक्र और बॉर्डर डिजाइंस लगा सकती हैं।

झूमर मेहंदी डिजाइन

झूमर मेहंदी डिजाइन देखने में काफी अच्छी लगती है। यदि आप इसको पैरों में लगा रही हैं, तो यह रॉयल टच देगी। पैरों के साइज के आधार पर आप छोटे या बड़े झूमर बना सकती हैं। झूमर के साथ ही हाथ और घोड़ा का डिजाइन काफी ज्यादा अच्छा लगता है। झूमर के साथ बारात-डोली और छतरियां आदि की डिजाइंस भी बनवा सकती हैं। यह मेहंदी को ज्यादा वेडिंग टच देती है।

ब्लॉक मेहंदी डिजाइन

अगर आप कम समय में दुल्हन के पैरों को यूनिक डिजाइन से सजाना चाहती हैं, तो आप ब्लॉक मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। इस मेहंदी डिजाइन में अलग-अलग तरह के ब्लॉक लॉक्स बना सकती हैं। यह ब्लॉक्स कस्टमाइज भी हो सकते हैं। आप मेहंदी डिजाइन पर अपने प्यार की कोई निशानी बनवा सकती हैं। इस तरह के मेहंदी डिजाइन पैरों में काफी अच्छी लगती है। वहीं आप ब्लॉक मेहंदी को सपोर्ट करने के लिए इसमें बॉर्डर मेहंदी या फिर स्पाइरल बेल मेहंदी डिजाइन बनवा सकती हैं।

बेल मेंहदी डिजाइन

इस तरह ही मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। हालांकि पैरों पर फूलों की बेल या अरेबिक इतनी ज्यादा अच्छी नहीं लगती है। लेकिन पैरों में बॉर्डर और बारीक मेहंदी का मिश्रण काफी अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप पैरों में बेल मेहंदी लगाने जा रही हैं, तो थोड़ा फूल-पत्तियों को बड़ा बनाएं। आप चाहें तो पैरों पर कमल या फिर गुलाब की बेल बना सकती हैं। वहीं इसको ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए पराग, लताएं और केरियां आदि भी बना सकती हैं।

जींस के साथ स्टाइल करें बांधनी शॉर्ट कुर्ती, स्टाइलिश दिखने के साथ लगेंगी खूबसूरत

आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

कुर्ती पहनना लगभग हर लड़की को पसंद होता है। जिसके लिए वह अक्सर अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न वाली कुर्तियां पहनती हैं। लेकिन जब भी जींस के साथ कुर्ती पहनने की बात होती है, तो अक्सर प्रिंटेड डिजाइन वाली कुर्ती तलाश करते हैं। ऐसे में आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती

अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आपको गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती कैरी करनी चाहिए। गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती में आपको नेकलाइन पर गोटा वर्क मिलेगा और स्लीव्स पर भी बॉर्डर मिलेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-800 रुपए तक मिल जाएगी।

प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती

यदि आप भी शॉर्ट कुर्ती पहनने के लिए प्रिंट सर्च कर रही हैं, तो आपको प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती स्टाइल करनी चाहिए। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। हालांकि इसमें आपको किसी तरह का वर्क नहीं मिलेगा। इसमें आपको वी नेकलाइन और प्रिंटेड डिजाइन मिलेगा। इससे आपका लुक बहुत प्यारा आएगा। मार्केट में यह कुर्ती 200-400 रुपए के बीच मिल जाएगी।

स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती

आप चाहें तो स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की कुर्ती में आपको बड़े प्रिंट वाला डिजाइन मिलेगी। आपको मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-500 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगी।

बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती

आप बांधनी प्रिंट वाले अनारकली सूट को जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह अनारकली कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगती है।

इसमें आपको पूरे में बांधनी प्रिंट मिलेगा। हालांकि इसमें आपको ज्यादा ऑप्शन नहीं मिलेंगे। लेकिन मार्केट में आपको 200-500 रुपए के बीच में बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती मिल जाएगी। इससे आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा।

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों की वापसी शुरू

आर्मेनिया के रास्ते निकाले जा रहे; 110 स्टूडेंट बॉर्डर पर पहुंचे; जानिए आर्मेनिया को ही क्यों चुना

एजेंसी

तेहरान/नई दिल्ली, इजराइल-ईरान में जारी संघर्ष के बीच भारत ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया है कि कुछ भारतीय नागरिकों को आर्मेनिया बॉर्डर के रास्ते देश से बाहर निकाला गया है। इन छात्रों में ज्यादातर जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं, जो ईरान के उर्मिया शहर से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। दैनिक भास्कर ने ईरान से भारत लौट रहे दो छात्रों के पेरेंट्स से बात की। उन्होंने बताया कि भारतीय समय के अनुसार 16 जून की रात दो बजे छात्रों को यूनिवर्सिटी कैंपस से आर्मेनिया बॉर्डर तक लाया गया था। कश्मीर के अनंतनाग के रहने वाले मोहम्मद शफी भट?ट ने बताया कि उनकी बेटी तय्यैबा शफी उर्मिया यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस फाइनल ईयर की छात्रा है। उनकी बेटी उनसे लगातार संपर्क में है। हालांकि, आज बात नहीं हुई है। छात्रों

के साथ भारतीय एंबेसी के अधिकारी हैं। सभी बुधवार को भारत पहुंच जाएंगे। इसी तरह, कश्मीर के शोपियां के रहने वाले मोहम्मद अनवर भट?ट ने बताया कि उनकी अपनी बेटी कहकशां अनवर से कल ही बात हुई थी। कहकशां ईरान से बाहर आ गई है। कहकशां के पास ईरान का सिम है, इसलिए आज परिवार की बात नहीं हो सकी है। छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों से निकाला जा रहा है। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हैं, लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं। विदेशी नागरिकों को ईरान छोड़ने से पहले राजनयिक मिशनों के जरिए ईरान के जनरल प्रोटोकॉल विभाग को अपना नाम, पासपोर्ट नंबर, गाड़ी डिटेल्स, देश से निकलने का समय और जिस बॉर्डर से जाना चाहते हैं, उसकी जानकारी पहले से देनी होगी। ईरान के ज्यादातर इंटरनेशनल एयरपोर्ट इस समय नागरिक उड़ानों के लिए बंद हैं। युद्ध जैसे हालात की वजह से वहां से फ्लाइट उड़ाना सुरक्षित नहीं है। ईरान में बीते 5 दिनों से जारी इजराइली हमले से हालात काफी बिगड़ गए हैं। सीएनएन के मुताबिक शहर के पेट्रोल पंपों पर कारों की लंबी-लंबी लाइनें लगने लगी हैं। लोग डरे हुए हैं और शहर छोड़कर बाहर जाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक सिर्फ तेहरान में 200 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। एक शख्स ने रॉयटर्स को बताया कि कई बार कतार में लगने के बाद भी पेट्रोल मिलना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि ईंधन की सप्लाई सीमित है। तेहरान के एक निवासी ने कहा कि लोगों के पास बमबारी से बचने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं है। पूरे शहर में कोई शेल्टर नहीं है जहां लोग भागकर जान बचा सकें। बहुत से लोग उत्तर की ओर कैस्पियन सागर की ओर जा रहे हैं, जो अपेक्षाकृत शांत और दूरदराज का इलाका है, लेकिन रास्ते इतने जाम हो चुके हैं कि वहां पहुंच पाना भी मुश्किल हो गया है। इजराइल ने रविवार को चेतावनी दी थी कि जो लोग हथियार बनाने वाले इलाकों के पास रहते हैं, वे तुरंत वहां से निकल जाएं क्योंकि खतरा और बढ़ सकता है।

सद्दाम हुसैन जैसा होगा हाल, इजरायल के रक्षा मंत्री की खामनेई को सीधी चेतावनी

एजेंसी

ईरान से लड़ाई के बीच इजरायल ने सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामनेई को चेतावी दी है। रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने आईडीएफ के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक आकलन के दौरान ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को इराक के पूर्व तानाशाह सद्दाम हुसैन की तरह हश्र होने की चेतावनी दी है। कैट्ज ने कहा कि मैं ईरानी तानाशाह को युद्ध अपराध करने और इजराइली नागरिकों पर मिसाइलों को लॉन्च करने के खिलाफ चेतावनी देता हूं। कैट्ज ने हुसैन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें ईरान के पड़ोसी देश के तानाशाह के हश्र को याद रखना चाहिए, जिसने इजराइल राज्य के खिलाफ यही रास्ता चुना था। एक इराकी तानाशाह हुसैनॉ जिसे 2003 में इराक पर अमेरिकी आक्रमण के दौरान सत्ता से उखाड़ने के बाद सरेआम फांसी पर लटका दिया गया था। कैट्ज ने ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के तेहरान मुख्यालय पर एक दिन पहले हुए इजरायली हमले का संदर्भ देते हुए कहा कि ईरानी नागरिक शासन के अन्य विस्तारों को भी निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम आज भी तेहरान में शासन और सैन्य ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेंगे, जैसा कि हमने कल दुष्प्रचार और भड़काऊ प्रसारण प्राधिकरण के खिलाफ किया था।

> कैट्ज ने ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के तेहरान मुख्यालय पर एक दिन पहले हुए इजरायली हमले का संदर्भ देते हुए कहा कि ईरानी नागरिक शासन के अन्य विस्तारों को भी निशाना बनाया जा सकता है।

कैट्ज ने कहा कि मैं तेहरान के निवासियों से आग्रह करता हूं कि वे अपनी सुरक्षा के लिए आईडीएफ प्रवक्ता के फारसी भाषा में दिए गए निर्देशों के अनुसार उन क्षेत्रों को खाली कर दें।

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने अपनी पिछली टिप्पणियों को वापस लेते हुए कहा कि इजराइल का तेहरान के निवासियों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है। कैट्ज ने एक बयान में कहा कि मैं स्पष्ट रूप से स्पष्ट करना चाहता हूं कि तेहरान के निवासियों को शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि तेहरान के निवासियों को तानाशाही की कीमत चुकानी होगी और उन क्षेत्रों से अपने घर खाली करने होंगे जहां तेहरान में शासन के लक्ष्यों और सुरक्षा बुनियादी ढांचे पर हमला करना आवश्यक होगा।

सिंधु समझौता- पाकिस्तान में चिनाब का पानी 92% घटा

डेड लेवल से नीचे जाने की कगार पर नदी का स्तर, 40% फसल बर्बाद होने का खतरा

एजेंसी

इस्लामाबाद, भारत ने पहलगाम हमले के दूसरे दिन 24 अप्रैल को पाकिस्तान के साथ 65 साल पुराना सिंधु जल समझौता रोक दिया था। अब पाकिस्तान में इसका असर दिखने लगा है। पाकिस्तान में चिनाब नदी का फ्लो 92% तक घट चुका है। नदी में 29 मई को वाटर फ्लो 98 हजार 200 क्यूसेक था। अब यह घटकर सिर्फ 7200 क्यूसेक रह गया है। पानी का स्तर 3000 क्यूसेक यानी डेड लेवल से भी नीचे जा सकता है। पंजाब और सिंध प्रांत के 6.5 करोड़ किसान सिंचाई के लिए चिनाब पर निर्भर हैं। पानी की कमी के चलते यहां की 40% से ज्यादा फसल बर्बाद होने की कगार पर हैं। सिंधु पर बने तारबेला बांध और झेलम पर बने मंगला बांध में भी पानी की बहुत कमी है। इस वजह से पाकिस्तान का कृषि मंत्रालय मान चुका है कि इस बार खरीफ सीजन हाल के इतिहास का सबसे खराब हो सकता है। अब तक 2200 अरब रुपए का नुकसान पानी की कमी के चलते पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ किसान संगठनों में गुस्सा है। पाकिस्तान किसान इत्तिहाद (पीकेआई) ने चेतावनी दी है कि हालात नहीं सुधरे तो किसान इस्लामाबाद कूच करेंगे। पीकेआई का दावा है कि पानी की कमी से सिर्फ गेहूं की फसल में 2200 अरब रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। यह कुल कृषि जीडीपी का 23.15% है। पानी की परेशानी दूर नहीं हुई, तो यह नुकसान साल के आखिर तक 4500 अरब रुपए तक पहुंच सकता है। दुनिया के 7वें सबसे बड़े बांध का जलस्तर आधे से कम पाकिस्तान के अहम बांधों की हालत बेहद खराब है। तारबेला और मंगला बांध करीब आधे खाली हो चुके हैं। दुनिया के सातवें सबसे बड़े बांध मंगला में अब 27 लाख एकड़-फुट पानी बचा है। इसकी कुल क्षमता 59 लाख एकड़-फुट है। वहीं, तारबेला में सिर्फ 60 लाख एकड़-फुट (कुल क्षमता 116 लाख एकड़-फुट) पानी बचा है। अगर पानी की सप्लाई इसी तरह कम होती रही, तो अब तक जमा पानी का 50% हिस्सा भी खत्म हो जाएगा। ग्रीन पाकिस्तान प्रोजेक्ट को सरकारी षड्यंत्र मान रहे किसान ग्रीन पाकिस्तान प्रोजेक्ट के तहत बहावलपुर जैसे रेगिस्तानी इलाकों को नहरों से जोड़ा जाना है, लेकिन किसान नेता कहते हैं कि इससे देश के दक्षिणी हिस्सों में पानी घटेगा। सिंध के किसान नेता मूसा अली का कहना है कि ग्रीन पाकिस्तान सरकारी षड्यंत्र है। कई किसान संगठन मार्च में इसके खिलाफ धरना दे चुके हैं। पीकेआई अध्यक्ष खालिद महमूद खोकहर का कहना है कि बर्बाद फसलें कर्ज बढ़ा रही हैं। इसके चलते लाखों किसान भूखे मरने की कगार पर हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के किसान नेता अहमद शरीफ ने कहा कि अब पानी की समस्या नेशनल इमरजेंसी बन गई है। इसके चलते राशन की कीमतें अभी से आसमान छू रही हैं। पाकिस्तान ने चिट्ठी लिखकर पानी देने की गुहार लगाई सिंधु जल समझौता बहाल करने को लेकर पाकिस्तान भारत को अब तक चार चिट्ठियां भेज चुका है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि इन चिट्ठियों में से एक ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजी गई है। चारों चिट्ठियां पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा ने भारत के जल शक्ति मंत्रालय को भेजी थीं। इसके बाद मंत्रालय ने उन्हें विदेश मंत्रालय (एमईए) को भेज दिया।

पाकिस्तान गुरुधामों के लिए नहीं जाएगा सिख जत्था

भारत-पाक विवाद को लेकर एसजीपीसी का फैसला; 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने किया था आवेदन

एजेंसी

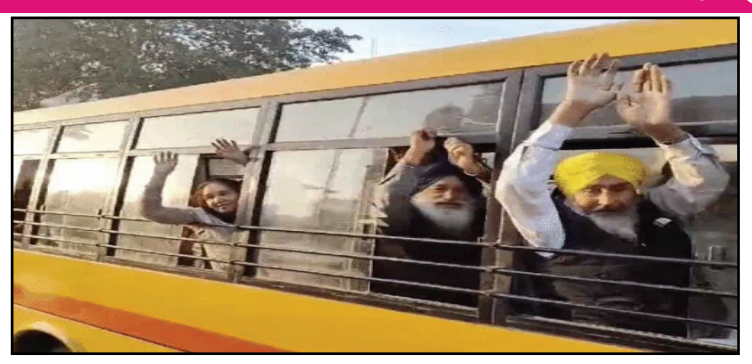

अमृतसर, भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सीमा तनाव को देखते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है। महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों की यात्रा पर हर साल जत्था रवाना होता था। इस साल ये यात्रा 29 जून को लाहौर के लिए रवाना होनी थी। एसजीपीसी ने कहा कि मौजूदा हालात में यह निर्णय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। इस यात्रा के लिए पहले ही 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने आवेदन किया था और अपने पासपोर्ट एसजीपीसी के पास वीजा संबंधित कार्रवाई के लिए भेजे थे। इस बीच, एसजीपीसी प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार की उस हरकत की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने एक सिख युवक पर चप्पल फेंकी थी। ये चप्पल सिख युवक की पगड़ी पर जा लगी।

दिल्ली में गद्दारी- बिहार में यारी, नही चलेगी...

बिहार चुनाव के लिए आप का बड़ा ऐलान

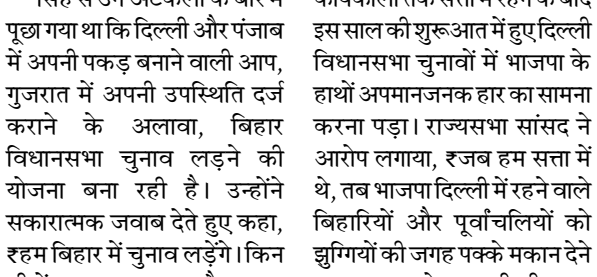

एजेंसी

आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने मंगलवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में अपनी किस्मत आजमाएगी। संजय सिंह बिहार के लिए पार्टी के प्रभारी भी हैं। उन्होंने राज्य की राजधानी में संवाददाताओं से बात की, जहां उन्होंने एनडीए सरकार के खिलाफ आप के धरने में हिस्सा लिया। एक्स पर संजय सिंह ने लिखा कि दिल्ली में गद्दारी- बिहार में यारी, नहीं चलेगी-नहीं चलेगी। जो दिल्ली से बिहारी भाइयों को भगा रही है, उस इखढ को बिहार से भगाओ। दिल्ली में बिहार के लोगों के घर उजाड़े जाने के विरोध में पटना में विशाल विरोध प्रदर्शन।

सिंह से उन अटकलों के बारे में पूछा गया था कि दिल्ली और पंजाब में अपनी पकड़ बनाने वाली आप, गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के अलावा, बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है।

सिंह से उन अटकलों के बारे में पूछा गया था कि दिल्ली और पंजाब में अपनी पकड़ बनाने वाली आप, गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के अलावा, बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। उन्होंने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, ₹हम बिहार में चुनाव लड़ेंगे। किन सीटों पर चुनाव लड़ना है, इसका विवरण केंद्रीय नेतृत्व द्वारा समय आने पर तय किया जाएगा। सिंह ने कहा, ₹दिल्ली में भाजपा सरकार बिहार और पूर्वांचल के प्रवासियों के साथ दुश्मन देश के नागरिकों जैसा व्यवहार कर रही है। उन्हें बेघर किया जा रहा है, क्योंकि झुग्गियों को बदला लेने के लिए ध्वस्त किया जा रहा है। हम बिहार के लोगों से राज्य में भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए वोट देने का आह्वान करते हैं। संयोग से, अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आप को राष्ट्रीय राजधानी में लगातार दो कार्यकालों तक सत्ता में रहने के बाद इस साल की शुरूआत में हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा के हाथों अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। राज्यसभा सांसद ने आरोप लगाया, ₹जब हम सत्ता में थे, तब भाजपा दिल्ली में रहने वाले बिहारियों और पूर्वांचलियों को झुग्गियों की जगह पक्के मकान देने का वादा करके लुभाती थी। जब प्रवासी भाइयों को चुनाव प्रचार के दौरान अपने तेवर दिखाने पड़े, तो उन्होंने अपने तीखे तेवर दिखाए।

इंडिया ब्लॉक पूरी तरह एकजुट :अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद यह गठबंधन अभी भी मजबूत है और विधानसभा चुनाव में इसके जरिये ही मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बरकरार है... जो लोग गठबंधन छोड़ना चाहते हैं, वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह (2027 यूपी विधानसभा) चुनाव लड़ेगा।

जो लोग छोड़ना चाहते हैं, वे स्वतंत्र हैं

एजेंसी

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि इंडिया ब्लॉक पूरी तरह एकजुट है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी बीजेपी के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के एकजुट ढांचे के भीतर ही चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद यह गठबंधन अभी भी मजबूत है और विधानसभा चुनाव में इसके जरिये ही मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बरकरार है... जो लोग गठबंधन छोड़ना चाहते हैं, वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह (2027 यूपी विधानसभा) चुनाव लड़ेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि कई राजनैतिक दल जो कुछ दिन पहले स्वदेशी नारा देते थे, उन्होंने हमारे बाजार को विदेशियों से कब्जा करा दिया। इससे पहले रविवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अराजकता और प्रशासनिक अव्यवस्था का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा भू-माफियाओं को संरक्षण देती है जो सरकारी और गरीब लोगों की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बिजली और कानून व्यवस्था जैसे आवश्यक क्षेत्र बदहाल हैं। यादव ने यह भी सवाल उठाया कि जब भारतीय बाजार चीनी सामानों से भरे पड़े हैं, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेतृत्व स्वदेशी उत्पादों की वकालत क्यों नहीं करता। उन्होंने स्थानीय बाजारों में विदेशी उत्पादों के वर्चस्व के लिए केंद्र की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा के आर्थिक प्रदर्शन की आलोचना करते हुए यादव ने कहा कि सरकार की नीतियां हर मोर्चे पर विफल रही हैं। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार के 11 साल और राज्य सरकार के नौ साल में कोई खास उपलब्धि नहीं मिली है।

विदेश मामलों की संसदीय कमेटी की हुई बैठक, शशि थरूर ने दी बड़ी जानकारी

शशि थरूर ने कहा कि हमें नौसेना के उप प्रमुख, रक्षा सचिव और विदेश मंत्रालय के सचिव ईस्ट का साथ पाकर बहुत खुशी हुई। यह एक बहुत ही विस्तृत चर्चा थी। उपस्थित समिति के प्रत्येक सदस्य ने सवाल पूछे... इस चर्चा में भागीदारी की भावना बहुत ही जबरदस्त है।

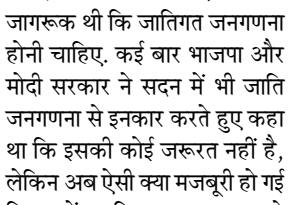

एजेंसी

विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की मंगलवार को शाम 4 बजे बैठक की। विदेश मामलों पर संसदीय समिति की बैठक के समापन पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमारे पास भारत की हिंद महासागर रणनीति नामक एक विषय पर चर्चा चल रही थी, जो एक विदेश नीति का विषय है, जिसके महत्वपूर्ण रक्षा आयाम हैं। हमें जानकारी देने के लिए रक्षा सचिव और नौसेना भी मौजूद थे। चचाएं शानदार रहीं। हमने विभिन्न पहलुओं पर गंभीर चर्चा में ढाई घंटे से अधिक समय बिताया, जिसे आप संसद में प्रस्तुत रिपोर्ट में देखेंगे। शशि थरूर ने कहा कि हमें नौसेना के उप प्रमुख, रक्षा सचिव और विदेश मंत्रालय के सचिव ईस्ट का साथ पाकर बहुत खुशी हुई। यह एक बहुत ही विस्तृत चर्चा थी। उपस्थित समिति के प्रत्येक सदस्य ने सवाल पूछे... इस चर्चा में भागीदारी की भावना बहुत ही जबरदस्त है। इस बहुत ही व्यापक चर्चा से हमें एक अच्छी रिपोर्ट मिलेगी... इन सभी (ब्लू वॉटर नेवी) पर चर्चा की गई... ब्लू वॉटर नेवी का पूरा विचार, उससे परे हमारी सैन्य क्षमता, हर चीज पर गहन चर्चा की गई। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं हुई

जातिगत जनगणना को लेकर सरकार की नीयत में खोट, पर्याप्त धनराशि भी नहीं की आवंटित : सचिन पायलट

सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी लगातार सदन और सदन से बाहर जातिगत जनगणना की मांग कर रहे थे. तब भाजपा और मोदी सरकार जातिगत जनगणना की मांग करने वालों को अर्बन नक्सल बता रहे थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी लगातार इस मांग को उठा रही थी और राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के भारी दबाव के बाद ही मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को स्वीकार किया है.

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने जातिगत जनगणना को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा.

एजेंसी

जयपुर : केंद्र की मोदी सरकार की ओर से जातिगत जनगणना का गजट नोटिफिकेशन जारी करने के बाद अब कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए सरकार के मंशा पर सवाल खड़े कर दिए हैं. कांग्रेस का कहना है कि सरकार की नीयत में खोट है, इसलिए जानबूझकर जातिगत जनगणना को टालने का काम किया जा रहा है. कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने मंगलवार को दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार की नियत पर सवाल खड़े किए. पायलट ने कहा कि सरकार ने जो नोटिफिकेशन जारी किया है वो 2027 के लिए किया है, जबकि जातिगत जनगणना की शुरूआत अभी होनी चाहिए थी. जातिगत जनगणना के लिए हजारों करोड़ों रुपए की राशि की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार ने केवल 570 करोड़ रुपए ही आवंटित किए हैं, इसके लिए पर्याप्त राशि आवंटित नहीं कर रहे हैं. मांग करने पर हमें अर्बन नक्सल कहा : सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी लगातार सदन और सदन से बाहर जातिगत जनगणना की मांग कर रहे थे. तब भाजपा और मोदी सरकार जातिगत जनगणना की मांग करने वालों को अर्बन नक्सल बता रहे थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी लगातार इस मांग को उठा रही थी और राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के भारी दबाव के बाद ही मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को स्वीकार किया है. देश की जनता भी इसे लेकर जागरूक थी कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए. कई बार भाजपा और मोदी सरकार ने सदन में भी जाति जनगणना से इनकार करते हुए कहा था कि इसकी कोई जरूरत नहीं है, लेकिन अब ऐसी क्या मजबूरी हो गई कि उन्हें जातिगत जनगणना को स्वीकार करना पड़ा. पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के भारी दबाव और जनता की जागरूकता के बाद इन्हें लगने लगा कि इस मांग को ज्यादा दिन तक ठुकरा नहीं सकते हैं